केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 245 मंगलवार 31 मार्च 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

ईरान ने पाकिस्तान के मध्यस्थता प्रस्ताव को सिरे से नकारा

तेल अबीब/ तेहरान (आभा)। ईरान ने पाकिस्तान के मध्यस्थता प्रस्ताव को सिरे से नकार दिया है। पाकिस्तान ने अमेरिका और इजरायल द्वारा ईरान के खिलाफ शुरू किए गए युद्ध में मध्यस्थता की बात कही थी। पाकिस्तान प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ जोर–शोर से इस मुहिम में लगे हुए थे। ईरान ने साफ कहा है कि वह पाकिस्तान द्वारा शुरू किए गए किसी भी शांति वार्ता का हिस्सा नहीं है। बता दें कि पिछले दिनों शहबाज शरीफ प्रशासन के एक शीर्ष अधिकारी ने बताया था कि पाकिस्तान अमेरिका–ईरान शांति वार्ता में मध्यस्थता करने की कोशिश कर रहे हैं। पाकिस्तान ने इस शांति वार्ता की मेजबानी की भी इच्छा जताई थी।

ईरान के विदेश मंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहाकि अमेरिका सीधे तौर पर कोई बातचीत नहीं कर रहा है। जबकि अंदरखाने वह एक गुप्त मिशन प्लान कर रहा है, जिसके तहत वह ईरान पर जमीनी हमले की तैयारी में है। यह बात ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने कही है। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दे डाली कि ईरान की सेना, अमेरिकी सैन्य बलों हमले के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस दोहरे रवैये के लिए ईरानी संसद के स्पीकर ने डोनाल्ड ट्रंप को भी खूब लताड़ा लगाई है।

रहा है। वह सिर्फ मध्यस्थों के जरिए गैरजरूरी और बड़ी–बड़ी डिमांड्स रख रहा है। इस पोस्ट में आगे कहा गया है कि अमेरिका की डिप्लोमेसी लगातार बदल रही है। लेकिन हम अपने रुख पर पूरी तरह से कायम हैं। एक्स पर मुंबई के कांसुलेट जनरल ऑफ ईरान की इस पोस्ट में लिखा है कि पाकिस्तान का फोरम केवल उनका है। हम इसमें बिल्कुल भी भागीदार नहीं कर रहे हैं।

ईरान ने अमेरिका पर बड़ा आरोप लगाया है। इसमें कहा गया है कि अमेरिका सिर्फ बातचीत का दिखावा कर रहा है। जबकि अंदरखाने वह एक गुप्त मिशन प्लान कर रहा है, जिसके तहत वह ईरान पर जमीनी हमले की तैयारी में है। यह बात ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर घालीबाफ ने कही है। साथ ही उन्होंने यह भी चेतावनी दे डाली कि ईरान की सेना, अमेरिकी सैन्य बलों हमले के लिए पूरी तरह से तैयार है। इस दोहरे रवैये के लिए ईरानी संसद के स्पीकर ने डोनाल्ड ट्रंप को भी खूब लताड़ा लगाई है।

इरना समाचार एजेंसी द्वारा प्रकाशित कमेंट्स में, घालीबाफ ने ट्रंप की ईरान के साथ बातचीत करने की इच्छा पर उन्हें जमकर सुनाया। उन्होंने कहाकि दुश्मन खुलकर बातचीत संदेश भेज रहा है और गुप्त रूप से जमीन हमले की योजना बना रहा है। उन्होंने कहाकि हमारे लोग अमेरिकी सैनिकों के जमीन पर आने का इंतजार कर रहे हैं ताकि उन्हें आग लगा सकें।

वहीं, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने लेबनान में तीन पत्रकारों की मौत पर गहरी चिंता जताती है। साथ ही इसे सिर्फ मीडिया जगत के लिए बड़ी क्षति ही नहीं, बल्कि वैश्विक चेतना के लिए एक गंभीर चेतावनी बताया है। रिपोर्ट के अनुसार, जेज्जीन शहर में एक हवाई हमले में अल मनार टीवी के पत्रकार अली शोएब और अल मयादीन के पत्रकार फातिमा और मोहम्मद फेटोनी की मौत हो गई।

यूपी पीसीएस में 9 वां स्थान पाकर डिप्टी एसपी बने उपनिदेशक अनुराग यादव

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत 'मेरा युवा भारत' संगठन में उपनिदेशक पद पर कार्यरत अनुराग यादव ने अपनी मेहनत और लगन से एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने यूपी पीसीएस 2024 परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया जिसके फल स्वरुप उनका पुलिस उपाधीक्षक के पद पर चयन हुआ। मेरिट सूची में 9 वां स्थान हासिल कर उन्होंने क्षेत्र का नाम रोशन किया।

लखनऊ निवासी अनुराग यादव, सतनाम सिंह यादव के पुत्र हैं। उन्होंने अपनी प्रारंभिक शिक्षा के बाद लखनऊ से मैकेनिकल इंजीनियरिंग में बीटेक तथा आईआईटी दिल्ली से एमटेक की डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने प्रशासनिक सेवा की दिशा में कदम बढ़ाया और 'मेरा युवा भारत' में जिला युवा अधिकारी के रूप में झारखंड के रांची में तीन वर्षों तक सेवाएं दीं।

इसके पश्चात उनकी पोस्टिंग बस्ती में हुई, जहां उनके उत्कृष्ट कार्य के चलते उन्हें उपनिदेशक पद पर प्रोन्नति मिली। अनुराग यादव ने अपनी सफलता का श्रेय माता–पिता, गुरुजनों को दिया है। उनके चयन पर माई भारत के ओम प्रकाश मिश्रा, शुभम पंथ, अरुण कुमार, जिलेदार पाण्डेय, अरूण सिंह, वृजेश पाण्डेय, मनोरमा चौधरी के साथ ही राजेश सिंह, आदि ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

स्तुति पाण्डेय का पीसीएस अधिकारी पद पर चयनः क्षेत्र में प्रसन्नता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। बस्ती सदर विकासखण्ड के ताडीजोत गांव निवासी दिनेश पाण्डेय की पुत्री स्तुति पाण्डेय का चयन पीसीएस अधिकारी पद पर हुआ है। स्तुति पाण्डेय की प्राथमिक शिक्षा सरस्वती शिशु मंदिर रामबाग एवं इंटरमीडिएट तक की शिक्षा बस्ती में उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी में हुई।

स्तुति पाण्डेय के पीसीएस की तैयारी बड़े भाई अभिषेक पाण्डेय ब्रांच मैनेजर के मार्गदर्शन में हुई। स्तुति पाण्डेय का पीसीएस में चयन होने का श्रेय मुख्य रूप से बस्ती जिले के विकासखंड बनकटी के खण्ड विकास अधिकारी भवानी प्रसाद शुक्ला, एडीओ पंचायत आशुतोष पटेल, ग्राम सचिव प्रदीप गुप्ता राम प्रकाश सिंह अर्चिता दुबे ज्योति , प्रमोद मिश्रा है। इनके पिता दिनेश पाण्डेय भारतीय जीवन बीमा निगम में अभिकर्ता और माता गृहणी है। स्तुति पाण्डेय ने

अपनी सफलता का श्रेय अपने बाबा उदय राज पाण्डेय, गुरूजनों और दादी , माता पिता और परिजनों को दिया। स्तुति पाण्डेय के चयन पर उर्मिला एजुकेशनल एकेडमी के प्रबंधक विनय शुक्ला और प्रधान प्रतिनिधि शैलेन्द्र पाण्डेय क्षेत्र के कन्हैया लाल गुप्ता, सुभाष गुप्ता एवं क्षेत्रवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है।

सिद्धार्थ से तथागत महाकाव्य का विमोचन 31 को

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। डा. वी.के. वर्मा कृत सिद्धार्थ से तथागत महाकाव्य का विमोचन 31 मार्च मंगलवार को दिन में 1 बजे से प्रेस क्लब समागार में आयोजित किया गया है। यह जानकारी देते हुये कार्यक्रम संयोजक वरिष्ठ साहित्यकार डा. रामकृष्ण लाल 'जगमग' ने बताया कि इस अवसर पर सिद्धार्थ से तथागत महाकाव्य पर विमर्श के साथ ही राष्ट्रीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया है जिसमें देश, प्रदेश के अनेक कवि, शायर, साहित्यकार हिस्सा लेंगे।

पहले ही प्रयास में रितिका शुक्ला बनीं असिस्टेंट कमिश्नरः: क्षेत्र में खुशी की लहर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। हर्रैया क्षेत्र की प्रतिभाशाली बेटी रितिका शुक्ला ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (पीसीएस) परीक्षा में शानदार सफलता हासिल कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है। उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में असिस्टेंट कमिश्नर (कमर्शियल टैक्स) जैसे प्रतिष्ठित पद पर चयनित होकर यह साबित कर दिया कि मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से कोई भी लक्ष्य असंभव नहीं है।

रितिका शुक्ला की इस उल्लेखनीय उपलब्धि से पूरे क्षेत्र में हर्ष और गर्व का माहौल है। जैसे ही उनके चयन की खबर फैली, परिजनों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों का उनके घर तांता लग गया। लोगों ने मिठाई खिलाकर, फूल–मालाओं से स्वागत कर और शुभकामनाएं देकर उनकी सफलता का जश्न मनाया। गांव और आसपास के इलाकों में भी खुशी की लहर देखी जा रही है। रितिका शुक्ला की प्रारम्भिक शिक्षा लिटिल फ्लावर्स कटरा, कक्षा 9 से 12 तक बालिका विद्या मंदिर राम बाग और स्नातक और बीएड की शिक्षा आर.सी.सी. डिग्री कालेज और एमएससी की शिक्षा शिव हर्ष किसान पी.जी. कालेज बस्ती से किया। रितिका शुक्ला के पिता शिव सहाय शुक्ल अधिवक्ता और माता गृहणी हैं। रितिका शुक्ला ने यह सफलता अपने प्रयास से अर्जित किया है और उसने कोई कोई कोचिंग नहीं किया।

परिवार के सदस्यों ने बताया कि रितिका शुरू से ही पढ़ाई में मेधावी रही हैं। उन्होंने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता–पिता, गुरुजनों और कठिन परिश्रम को दिया है। रितिका ने सीमित संसाधनों के बावजूद लगातार मेहनत, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ तैयारी की, जिसका परिणाम आज सबके सामने है।

स्थानीय लोगों का कहना है कि रितिका शुक्ला की यह सफलता क्षेत्र के युवाओं के लिए एक प्रेरणा है। उनकी उपलब्धि यह संदेश देती है कि अगर लक्ष्य स्पष्ट हो और उसे पाने के लिए पूरी निष्ठा से प्रयास किया जाए, तो सफलता निश्चित रूप से मिलती है। खासकर ग्रामीण क्षेत्र की बेटियों के लिए रितिका एक मिसाल बनकर उभरी हैं, जिन्होंने यह साबित किया है कि वे भी किसी से कम नहीं हैं।

शिक्षकों और समाज के बुद्धिजीवियों ने भी रितिका की इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जिले के लिए गर्व का विषय है। आने वाली पीढ़ियां उनसे प्रेरणा लेकर अपने सपनों को साकार करने का प्रयास करेंगी।

रितिका शुक्ला की इस ऐतिहासिक सफलता ने बस्ती जनपद को एक बार फिर गौरवान्वित किया है और यह साबित कर दिया है कि यहां की बेटियां भी हर क्षेत्र में अपना परचम लहरा रही हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के मण्डल अध्यक्ष बने डा. वी..के. वर्मा

–भारतीय बस्ती संवाददाता

बस्ती। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर मयंक प्रताप सिंह और प्रदेश महामंत्री आदित्य भारती ने जिला चिकित्सालय में कार्यरत आयुष चिकित्साधिकारी डा. वी.के. वर्मा को संघ का मण्डल अध्यक्ष, उस्मान अली खान सिद्धार्थनगर को वरिष्ठ उपाध्यक्ष और अभिषेक कुमार को महामंत्री का दायित्व सौंपा है।

डा. वी.के. वर्मा ने यह जानकारी देते हुये बताया कि डा. वी. के. वर्मा संघ ने जो दायित्व सौंपा है उसका निष्ठा से पालन किया जायेगा। संविदा कर्मचारियों के हितों के लिये प्रदेश नेतृत्व के दिशा निर्देश के अनुरूप कार्य किये जायेंगे।

उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के मण्डलीय पदाधिकारियों की घोषणा पर संघ के बस्ती, सिद्धार्थनगर और संतकबीर जनपद के पदाधिकारियों, संविदा कर्मचारियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुये कहा है कि निश्चित रूप से पदाधिकारी समस्याओं के समाधान की दिशा में रचनात्मक पहल करेंगे।

जमीन पर जबरिया कब्जा करने की कोशिश का आरोपः एसपी से लगाया न्याय की गुहार

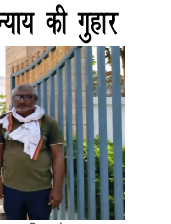

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। कप्तानगंज थाना क्षेत्र के करनपुर निवासी घनश्याम तिवारी पुत्र राम शब्द तिवारी ने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर उनकी जमीन पर जबरिया कब्जा करने की कोशिश करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की मांग किया है।

एसपी को दिये पत्र में घनश्याम तिवारी ने कहा है कि उनकी व अन्य सहखातेदारों की भूमि गाटा सं० 59 पुश्तैनी जमीन है जिसमें उसने अन्य सहखातेदारों की सहमति से मकान बनाने हेतु नींव का निर्माण कराया था। गांव के ही ह्रदयराम, अजय कुमार श्रीराम व रामयज्ञ पुजगण दयाराम उनकी जमीन को आबादी की जमीन बताकर जबरदस्ती कब्जा करना चाहते है। गत 26 मार्च को उक्त लोग उनकी जमीन पर अवैध कब्जा करने की कोशिश करने लगे। विवाद होने पर पुलिस के समक्ष सुलह हो गयी ओर यह तय हुआ कि पैमाइश होने तक दोनों पक्ष मौके की यथास्थिति बनाये रखे किन्तु विपक्षीगण हरिजन होने का नाजायज लाभ लेने हेतु उनके व सहखातेदारों के विरूद्ध झूठा व मनगढन्त प्रार्थना पत्र देकर परेशान कर रहे हैं। प्रार्थना पत्र में परिवार के नाबालिग बच्चों को भी झूठा आरोपित करने की कोशिश कर रहे है। ह्रदयराम आदि के परिवार में विशाल पुत्र श्रीराम व सूरज पुत्र ह्रदयराम आपराधिक प्रवृत्ति व्यक्ति है और इन लोगों के विरूद्ध थाना स्थानीय पर मुकदमा भी दर्ज है। यह लोग कभी भी कोई अप्रिय घटना कर सकते हैं। उन्होने दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई के साथ ही अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

एसपी को पत्र देने के दौरान इन्द्रदेव त्रिपाठी, रमाकान्त त्रिपाठी, सुनील कुमार मिश्र, श्री प्रकाश मिश्र, राधेश्याम तिवारी आदि शामिल रहे।

एजुकेटर पदों पर आउटसोर्सिंग भर्ती में मनमानी का आरोपःओबीसी मोर्चा ने मुख्यमंत्री को भेजा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग ओबीसी मोर्चा के मण्डल उपाध्यक्ष राम सुमेर यादव के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं ने जिलाधिकारी के प्रशासनिक अधिकारी के माध्यम से मुख्यमंत्री को 5 सूत्रीय ज्ञापन भेजा। मांग किया कि जनपद बस्ती में 150 प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों के आंगनबाड़ी केन्द्रों में ई०सी०सी०ई० एजुकेटर पदों पर आउटसोर्सिंग भर्ती में शासनादेश के उल्लंघन एवं अनियमितताओं की उच्च स्तरीय जांच कर नियुक्ति प्रक्रिया पर रोक लगाया जाय।

ज्ञापन में कहा गया है कि बस्ती के परिषदीय प्राथमिक एवं कम्पोजिट विद्यालयों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों पर 03 से 06 वर्ष के बच्चों को प्रारम्भिक शिक्षा प्रदान करने हेतु 150 ई०सी०सी०ई० एजुकेटर पदों पर भर्ती प्रक्रिया आउटसोर्सिंग के माध्यम से नेसर्स दीप ट्रेडर्स, सी–4 लोहिया कॉम्प्लेक्स तथा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, बस्ती एवं कार्यक्रम अधिकारी (बाल विकास) के संयुक्त समन्वय से की जा रही है। इस चयन प्रक्रिया में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा निर्गत प्रासंगिक शासनादेशों विशेषतः पारदर्शी भर्ती, मेरिट आधारित चयन, एवं आउटसोर्सिंग कार्मिकों के चयन हेतु निर्धारित मानकों का खुला उल्लंघन किया गया है। शासनादेशों में स्पष्ट प्रावधान है कि किसी भी प्रकार की आउटसोर्सिंग भर्ती प्रक्रिया पूर्णतः पारदर्शी, निष्पक्ष एवं मेरिट आधारित होनी चाहिए तथा इसमें किसी प्रकार की आर्थिक लेन–देन अथवा पक्षपात पूर्णतः वर्जित है।

–नियुक्ति प्रकिया रोक कर निष्पक्ष जांच, शासनादेश के पालन की मांग

ओबीसी मोर्चा के मण्डल उपाध्यक्ष राम सुमेर यादव ने मांग किया कि इस भर्ती प्रक्रिया पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने के साथ ही शासन स्तर से एक स्वतंत्र एवं उच्च स्तरीय जांच समिति गठित कर सम्पूर्ण चयन प्रक्रिया की जांच कराई जाए। मेरिट सूची में की गई अनियमितताओं की सत्यता की पुष्टि कर दोषियों के विरुद्ध कठोर दण्डात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जाए और केवल पात्र एवं योग्य अभ्यर्थियों का चयन सुनिश्चित करते हुए पुनः निष्पक्ष चयन प्रक्रिया शासनादेश के अनुसार मेरिट के आधार पर संपन्न कराई जाए।

ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से विजय शर्मा, ओंकार, राहुल, मनदीप, ध्रुव कुमार, दीपिका, सुमन, चंद्रप्रकाश, बुद्ध प्रिय, आलोक आदि लोग शामिल रहे।

शिक्षकों ने दिल्ली धरने को लेकर बनाई रणनीति एकजुटता से सफल होगा आन्दोलन–श्रीधर मिश्र

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। प्रेस क्लब सभागार में सोमवार को टीचर फेडरेशन ऑफ इण्डिया के बैनर तले टीईटी से मुक्ति के लिए 4 अप्रैल को दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित होने वाले विशाल धरना प्रदर्शन की तैयारी के लिए जिला स्तरीय समीक्षा बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रांतीय मंत्री श्रीधर मिश्र ने किया। उन्होंने धरना प्रदर्शन के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि पूरे देश के शिक्षकों को टेट अनिवार्यता के विरोध में दिल्ली के रामलीला मैदान में लाखों की संख्या में पहुंचकर सरकार को समस्या से अवगत कराते हुये संसद द्वारा विधेयक लाकर निदान किए जाने की मांग करनी है। उन्होंने शिक्षकों से एकजुटता दिखाने और आंदोलन को सफल बनाने की अपील की। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष चंद्रिका सिंह ने बैठक में धरने को लेकर पूरी रणनीति साझा की। उन्होंने बताया कि जनपद से 900 से अधिक शिक्षक धरना प्रदर्शन में भाग लेंगे। जिसमें शिक्षक ट्रेन, बस और निजी साधनों के माध्यम से दिल्ली जाएंगे। कहा कि शिक्षक समुदाय अपने अधिकारों और सम्मान की रक्षा के लिए एकजुट होकर दिल्ली में अपनी आवाज उठाएगा। जिला मंत्री बालकृष्ण ओझा और जिला कोषाध्यक्ष दुर्गेश यादव ने कहा कि माननीय उच्चतम न्यायालय के बीते 1 सितंबर के निर्णय के बाद टीईटी अनिवार्यता का मुद्दा देशभर के लाखों कार्यरत शिक्षक परिवारों के सामने सेवा सुरक्षा और भविष्य को लेकर गहरी अनिश्चितता पैदा कर चुका है। कहा कि यह लाखों परिवारों के जीवन और सम्मान से जुड़ा प्रश्न है।

इस अवसर पर विंदेश्वरी प्रसाद मिश्रा, शिवरतन, रामभवन यादव,अखिलेश पाण्डेय, बृजेश त्रिपाठी, वेद प्रकाश उपाध्याय, आर पी कनौजिया, संतोष पांडे, सनद पटेल, राकेश कुमार पाण्डेय, संतोष जायसवाल, सत्यजीत यादव, शेषमणि पाल, नवीन प्रताप सिंह, सुशील गहलोत, अशोक यादव,अनीश अहमद खान, संजय चौधरी,संतोष मिश्रा, राजकुमार त्रिपाठी, शिव प्रकाश सिंह, आशीष दुबे, संजय कुमार, मुरली धर, विवेकानंद, अंगद सिंह, रमाशंकर लाल,सुरेंद्र सिंह यादव, उमाकांत शुक्ला, हरेंद्र यादव, विजय सेन, नंदलाल, राजेश कुमार सिंह, अनिल कुमार पाठक, विजय यादव धर्मराज यादव, राजेश गिरि, रुकुनुद्दीन ,असद जमाल ,प्रशांत कुमार सिंह,आसाराम यादव, राजेश कुमार वर्मा, कृष्णधर दूबे, गिरिजेश चौधरी,प्रसून श्रीवास्तव, सुरेश गौड़, अमृत लाल, उपस्थित रहे।

विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने चित्रांश क्लब पदाधिकारियों को दिलाया शपथ : सामाजिक, रचनात्मक कार्यों को गति देने पर जोर

भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । चित्रांश क्लब पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह ब्लाक रोड स्थित एक होटल के सभागार में संकल्पों के साथ सम्पन्न हुआ। समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव, ने चित्रांश क्लब अध्यक्ष शेषनरायन गुप्ता और अन्य पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण कराने के साथ ही प्रमाण–पत्र का वितरण किया।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि संस्थापक राजेश चित्रगुप्त, रेखा चित्रगुप्त द्वारा स्थापित चित्रांश क्लब पिछले तीन दशक ने निरन्तर समाज सेवा के कार्यो को आगे बढा रहा है। क्लब के अजय कुमार श्रीवास्तव, रत्नाकर श्रीवास्तव 'आदर्श' ने पदाधिकारियों से आग्रह किया कि वे क्लब के दिशा निर्देश के अनुरुप चित्रांश क्लब के सरोकारों से जन मानस को जोड़े।

समाजवादी पार्टी जिलाध्यक्ष और बस्ती सदर विधायक महेन्द्रनाथ यादव ने क्लब अध्यक्ष शेषनरायन गुप्ता, संयोजक राजन गुप्ता, महामंत्री अमित सिंह, कोषाध्यक्ष रवि वर्मा, के साथ पदाधिकारी उमंग शुक्ल, जी. रहमान, डा. के.के. प्रजापति, अमृतपाल सनम, प्रकाश मोहन श्रीवास्तव, राजेश कैटर्स, प्रांजल श्रीवास्तव, विपिन पाल, यशविन्दर सिंह, अवनीश सिंह, पं. जय प्रकाश, रणदीप माथुर, पंकज गोस्वामी, सौरभ गुप्ता, पीयूष सचदेवा, रवि चौधरी, अनुराग द्विवेदी, रिंकू गुप्ता, अम्बिका चौधरी, एयाजुर्रहमान, अर्जुन सिंह कन्नौजिया आदि को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाया। कहा कि पदाधिकारी समाज सेवा के अपने लक्ष्य को पूरा करने की दिशा में रचनात्मक पहल करे। संचालन मयंक श्रीवास्तव ने किया।

भाजपा नेता राना दिनेश प्रताप सिंह, अभय पाल, पं. सरोज मिश्र, अमरमणि पाण्डेय, कंचन बाला कन्नौजिया, सुषमा चौधरी ने कहा कि चित्रांश क्लब सेवा और सहयोग का उदाहरण बनके उभरा है। निश्चित रूप से नयी कार्यकारिणी के पदाधिकारी पर्यावरण रक्षा, नदियों की स्वच्छता के साथ ही जन मानस से जुड़े रचनात्मक कार्यो को गति देंगे।

शपथ ग्रहण समारोह में महिला विंग अध्यक्ष लक्ष्मी अरोरा, संध्या दीक्षित, संज्ञा श्रीवास्तव संजू श्रीवास्तव प्रतिभा अर्चना, रत्ना शुक्ल, वीना गुप्ता, दीपू, अनिल पाण्डेय, अतुल श्रीवास्तव ददडुल, अवनीश सिंह, मुजीब अंसारी, अयाज, सूरज प्रजापति, अभिषेक गुप्ता, अविनाश श्रीवास्तव, दीपिका, सरोज गुप्ता, भावेश पाण्डेय, मनीष श्रीवास्तव, प्रतिभा श्रीवास्तव, अर्चना श्रीवास्तव, सर्वेश श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव, डा. डी.के. गुप्ता, आशीष आदि ने चित्रांश क्लब के कार्यो पर विस्तार से प्रकाश डाला। मुख्य रूप से आदित्य श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव, परमेश्वर शुक्ल 'पप्पू', राजेन्द्र कसौंधन, जवाहरलाल कसौंधन, वृजकिशोर कसौधन, सतीश सोनकर, मुकेश श्रीवास्तव, आलोक श्रीवास्तव, दुर्गेश श्रीवास्तव, अनिल श्रीवास्तव, भक्ति नरायन श्रीवास्तव, राहुल श्रीवास्तव, रमेश, संजय पाठक, रागिनी गुप्ता, प्रिया, संगीता गुप्ता, कविता श्रीवास्तव, गुरूप्रीत कौर, अर्चना गुप्ता, कालिन्दी, मिथलेश गुप्ता, किरन, दीपिका, सरोज गुप्ता, भावेश पाण्डेय, शिब्लू पाण्डेय, सूर्य नरायन गुप्ता, सूर्यप्रकाश शुक्ल, संजय द्विवेदी, कैलाश माहन श्रीवास्तव, गोपेश पाल, मनीष श्रीवास्तव, राकेश सिंह, अभयदेव शुक्ल, के साथ ही चित्रांश क्लब के पदाधिकारी, सदस्य और विभिन्न सामाजिक संगठनों के लोग उपस्थित रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती

बस्ती 31 मार्च 2026 मंगलवार

सम्पादकीय

सोशल मीडिया के खतरे

अमेरिका में लॉस एंजेलिस की एक जूरी द्वारा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के घातक प्रभावों से त्रस्त एक युवती के पक्ष में सुनाए गए ऐतिहासिक फैसले से दुनिया भर के अभिवावकों को राहत मिली है। दरअसल, सोशल मीडिया की लत लगाने से जुड़े एक मामले में मेटा और यूट्यूब पर 56 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। उल्लेखनीय है कि एक युवती ने मेटा और यूट्यूब पर आरोप लगाया था कि इनकी वजह से उसे सोशल मीडिया की घातक लत लगी। हालांकि, अब तक ये कंपनियां दलील देती रही हैं कि वे मात्र सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं और इसकी सामग्री के लिये जिम्मेदार नहीं हैं। लेकिन कोर्ट में वकीलों ने पीड़िता के पक्ष में दलील दी कि जानबूझकर इस तरह के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बनाए गए हैं ताकि उपयोगकर्ता कथित सोशल मीडिया की लत के शिकार बन जाएं। शुरुआत से पहचान गुप्त रखने वाली बीस वर्षीय युवती केली के वकीलों की दलील को जूरी ने स्वीकार किया कि इस लत से उसकी मानसिक सेहत को नुकसान हुआ है। जूरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों की दलीलों को दरकिनार करते हुए मेटा और यूट्यूब पर साठ लाख अमेरिकी डॉलर यानी छप्पन करोड़ रुपये चुकाने का आदेश दिया है। जूरी ने माना कि गूगल तथा मेटा ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के संचालन में अपने मुनाफे के मद्देनजर अनुचित उपायों का सहारा लिया है। जूरी ने इसे अनैतिक भी बताया। जूरी के निर्णय के अनुसार इस मामले में जुर्माने की सत्तर फीसदी राशि मेटा तथा तीस फीसदी रकम गूगल को चुकानी होगी। उल्लेखनीय है कि पूरी दुनिया में इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के विरुद्ध हजारों मुकदमें चल रहे हैं। जिसमें कई वे लोग भी शामिल हैं जिनके बच्चों ने सोशल मीडिया की लत का शिकार होकर आत्मघाती कदम उठाये हैं। ब्रिटेन समेत कई देशों में अभिभावक इस लत से बच्चों को बचाने के लिये आंदोलन करते रहे हैं। यही नहीं, अमेरिका में ही विभिन्न अदालतों में सोशल मीडिया के घातक प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये सैकड़ों मामले चल रहे हैं।

विश्वास किया जा रहा है कि इस मुकदमे के फैसले का प्रभाव उन तमाम मामलों में भी पड़ सकता है, जो दुनिया के विभिन्न देशों में चल रहे हैं। हालांकि, दोषी पाये गए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के कर्ताधर्ता इस फैसले से असहमति जताते हुए इसके खिलाफ अपील करने की बात कर रहे हैं। उनकी दलील है कि किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ने वाले घातक प्रभाव के अनेक अन्य कारण हो सकते हैं, जिसके लिये सिर्फ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म को ही दोषी नहीं ठहराया जा सकता। यूट्यूब के अधिकारियों का कहना है कि ये सोशल मीडिया साइट नहीं, सिर्फ वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म है। जबकि पीड़ित युवती के वकीलों की दलील थी कि मेटा आदि कंपनियों ने इन सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की संरचना ऐसी बनायी है कि किशोरों को इसकी आदत लग जाए। हकीकत ये है कि भारत समेत दुनिया के करोड़ों किशोर इसकी लत के शिकार बन रहे हैं। यही वजह है हफ्तों चले मुकदमे के दौरान बड़ी संख्या में किशोरों के अभिभावक वादी के पक्ष में अदालत के परिसर में मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि इस फैसले से पहले न्यू मेक्सिको में एक जूरी ने मेटा को इस बात के लिये जवाबदेह ठहराया कि उसके प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध वयस्कों की सामग्री तक बच्चों की पहुंच बनी है, जिससे उनके जीवन में यौन अपराधियों का खतरा बढ़ गया है।, भारत समेत कई विकसित व विकासशील देशों में सोशल मीडिया से बच्चों के जीवन में पड़ने वाले घातक प्रभावों को लेकर चिंता सालों से बनी हुई है।

लेकिन देश में इस बाबत कोई नियामक कानून न होने से कोई ठोस कार्रवाई होती नजर नहीं आती। बच्चों की पढ़ाई खराब होने और उनके मानसिक रोगों से ग्रस्त होने की आशंका से अब अभिभावक आक्रोश व्यक्त करने लगे हैं। यही वजह है कि दुनिया के विकसित देशों में इन सोशल मीडिया प्लेटफार्म से बच्चों को दूर रखने के लिए कानून बन रहे हैं। आस्ट्रेलिया के बाद फ्रांस और अब अन्य यूरोपीय देश भी इस दिशा में पहल कर रहे हैं ताकि एक निर्धारित आयु से ऊपर के बच्चे ही सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म तक पहुंच बना सकें।

दुश्मनों पर निगाह रहे और सभी से संवाद

–ज्योति मल्होत्रा–

कूटनीतिक दायरे में पाकिस्तान की अचानक बढ़ी मौजूदगी भारत की स्थिति को लेकर असहज करने वाले सवाल खड़े करती है। ऐसे में हमें अपनी विदेश नीति, संबंधों और स्थिति पर आत्म–मंथन की जरूरत है। यह भी कि अदना सा देश युद्धरत अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके भारत से आगे कैसे निकल गया व दुनिया उसकी सुन क्यों रही है?

विदेश मंत्री एस. जयशंकर बिल्कुल सही थे जब उन्होंने गत सप्ताह की शुरुआत में पश्चिम एशिया संकट पर हुई सर्वदलीय बैठक में कहा था कि 'भारत कोई दलाल देश नहीं है'। जयशंकर, जो खुद एक पूर्व राजनयिक हैं और शब्दों का महत्व समझते हैं, उन्होंने हिंदी शब्द 'दलाल' का उपयोग किया, जिसका अर्थ है बिचौलिया, जब विपक्षी नेताओं ने उनसे ईरान के खिलाफ अमेरिका और इस्राइल के चल रहे चार हफ्ते लंबे युद्ध को खत्म करवाने में पाकिस्तान की भूमिका के बारे पूछा।

समझा जा सकता है कि जयशंकर गुस्से में थे। माननीय सांसद स्पष्ट पूछ रहे थे दृ और, इस तरह – फारस की खाड़ी में जारी संघर्ष में भारत की स्थिति की पाकिस्तान से तुलना कर रहे थे। ऐसा लगता है कि पाकिस्तान का सैन्य–प्रतिष्ठान, जिसकी अगुवाई डोनाल्ड ट्रंप के 'पसंदीदा फील्ड मार्शल' आसिम मुनीर कर रहे हैं, ईरान और अमेरिका के बीच संदेशों का आदान–प्रदान कर रहा है, जिसने ट्रंप को 6 अप्रैल तक युद्ध विराम की घोषणा करने में मदद की है। पाकिस्तान ने वार्ताओं की मेजबानी करने की पेशकश की हैय तुर्कीए और मिस्र अन्य संभावित स्थल हैं।

किसी भी ढंग से देखें, पिछले 48 घंटों में पाकिस्तान वैश्विक सुर्खियों में अपनी जगह बना पाया है। हो सकता है कि आगामी हफ्तों में इसका नतीजा न निकले। क्या पता, ट्रंप अभी भी ईरान पर जमीनी हमले का आदेश दे दें। लेकिन सर्वदलीय बैठक में मौजूद उन सांसदों ने, जिन्हें अन्यथा मुख्यतया केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और असम में होने वाले आगामी चुनावों को लेकर ज्यादा चिंता है, स्पष्टतया भांप लिया कि कुछ तो गंभीर गड़बड़ हैय सिर्फ इसलिए नहीं कि उनके घरों में प्रयोग होने वाले गैस सिलेंडरों की कीमतें बढ़ गई हैं।

जयशंकर को खफा होने का हक है। पाकिस्तानी सैन्य–प्रतिष्ठान, जो दशकों से निर्दोष भारतीयों पर एक के बाद एक भयानक हमलों का सूत्रधार रहा है, मुंबई से लेकर पहलगाम तक, जिन्होंने बार–बार लोगों की जान ली है, इन जघन्य अपराधों के लिए उसकी जवाबतलबी होनी चाहिए, न कि दुनिया का सबसे शक्तिशाली व्यक्ति यानी अमेरिकी राष्ट्रपति उसकी तारीफ में कसीदे पढ़े। शायद यह भारत के लिए आत्म–मंथन करने का उचित अवसर है कि हम –एक प्राचीन और अद्वितीय सभ्यता के लोगकृइस आधुनिक और तेज रफ्तार दुनिया में आखिर किस दिशा की ओर आगे बढ़ रहे हैं। भारतीय लोग विदेश नीति के मुद्दों पर ज्यादा ध्यान नहीं देते– इसी से संतुष्ट हैं कि अटल बिहारी वाजपेयी, मनमोहन सिंह और नरेंद्र मोदी जैसे विभिन्न प्रधानमंत्री हमें विदेशों के बड़े और बुरे प्रभावों से ज़्यादातर सुरक्षित रखते रहे हैं।

कुछ बातें हम जानते हैं। पहली, कि भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, भले ही प्रति व्यक्ति आय के मामले में (लगभग 2,700–3,000 डॉलर) हम देशों की सूची में 140वें स्थान पर हैं। दूसरी, भारतीय प्रवासियों का प्रभाव तेजी से बढ़ रहा है, खासकर अमेरिका में। और तीसरी, विश्व मंच पर भारत का मुख्य प्रतिद्वंद्वी चीन है, न कि छोटा सा पाकिस्तान।

तब फिर, अदना सा पाकिस्तान, युद्धरत अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थता की पेशकश करके भारत से आगे क्यों निकल गया– इससे भी अहम यह कि दुनिया उसकी सुन क्यों रही है?

चलिए, एक कदम पीछे हटें। शायद हम गलत सवाल पूछ रहे हैं। सही सवाल यह नहीं कि क्या पाकिस्तान भारत से आगे निकलने में सफल रहा– वह खेल कई तरीकों से और कई मौकों पर खेला जा सकता है– बल्कि क्या भारत अपनी उस छवि पर टिक पाया है, एक ऐसा राष्ट्र, जिसके केंद्र में एक खास नैतिकता रही हैय वह जिस पर हम स्वतंत्रता आंदोलन के समय से ही मजबूती से टिके रहे,जो कभी–कभार व्यावहारिक कारणों से थोड़ा भटक जाने की इजाजत देता है (मसलन, जब नेतन्याहू गाजा पर बमबारी करते हैं या जब व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन पर हमला करते हैं, तब चुप रहना), लेकिन फिर भी वह देश, जो किसी अनैतिक या अन्यायपूर्ण लड़ाई का समर्थन नहीं करता।

यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है–अपनी धुरी की ओर लौटने की जरूरत। इसलिए, भले मेजबान बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा अमेरिका संग मिलकर ईरान को तबाह करने के मंसूबे से हवाई हमले का आदेश देने से दो दिन पूर्व मोदी इस्राइल गए थे, लेकिन सच यह कि मोदी सरकार को उसके बाद अमेरिका–इस्राइल का खुलकर पक्ष लेने वाली अपनी पूर्व स्थिति छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। भारत ने शायद ट्रंप और नेतन्याहू की तरह ही सोचा था कि ईरान धरती के सबसे ताकतवर देशों का मुकाबला नहीं कर पाएगा।(भला किसकी हिम्मत है?) यह भी कि कि किसी भी सूरत में, अमेरिका–इस्राइल–यूएई त्रिकोण में उसके बहुत बड़े हित हैं– व्यापार, प्रवासी, रक्षा–और अपना शुरुआती रुख अपनाने से कुछ 'ब्राउनी पॉइंट्स' (अतिरिक्त लाभ) मिल सकेंगे।

बदकिस्मती से, वैसा हुआ नहीं। एक दुर्भाग्यपूर्ण और अन्यायपूर्ण युद्ध में एक पक्ष का साथ देकर,भारत ने उस 'मध्य मार्ग' को तज दिया, जिसकी सीख भारत के एक सपूत गौतम बुद्ध ने सदियों पहले दी थी। राजनीतिक रूप से दक्ष प्रधानमंत्री ने अवश्य उस व्यापक बेचौनी को भांप लिया होगा जो अमेरिकी मिसाइलों द्वारा ईरानी सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की निर्मम हत्या के बाद फैली थीयया ईरान के मिनाब में एक स्कूल पर हुई बमबारी पर, जिस पर अंततरू संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में चर्चा जारी है। ऐसा नहीं कि भारतीय खामेनेई की कट्टर ध ार्मिकता या सोच के प्रशंसक थेयहमें रंज है कि कैसे एक–दो देश बेरोकटोक सारे नियम तोड़ रहे हैं।

और इसलिए, भले ही भारत ने खामेनेई की हत्या की सीधे तौर पर निंदा करने से परहेज किया, परंतु विदेश सचिव विक्रम मिसरी को दिल्ली स्थित ईरानी दूतावास में शोक–पुस्तिका पर हस्ताक्षर करने के लिए भेजा गया। तत्पश्चात, मोदी और जयशंकर दोनों ने ही क्रमशः ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन और विदेश मंत्री अब्बास अराघची से फोन पर बात की–भले यह तेल से लदे भारत के जहाजों को 'फारस जलडमरूमध्य' से सुरक्षित गुजरने में मदद करने के लिए ही क्यों न हो।

ईरान, जो भले ही लहूलुहान हुए पड़े हैं,पर झुके नहीं,इस खेल को और भी ज़्यादा सूझबूझ के साथ खेला है। वे जानते हैं कि भारतीय लोग –कश्मीर के आम लोग अपने ईरानी बंधुओं के लिए पैसे और गहने जमा कर रहे है, जबकि संभ्रांत वर्ग 'द ट्रिब्यून' जैसे अखबारों में अपने विचार लिख रहा है– सरकार के कदम से पूरी तरह सहज नहीं। कदाचितद्ध अब कुछ ईरानी मिसाइलों पर 'थैंक्यू, इंडिया...' लिखा हुआ है। गत सप्ताह हमें विदेश नीति की कई सीखें मिली। पहली सीख यह कि सभी पक्षों से संवाद रखें, भले ही आप उनसे सहमत न भी हों– इसलिए, ईरान और इस्राइल दोनों सेय और यूएई तथा सऊदी अरब से।

दूसरी सीख, सभी पक्षों की बात सुनें–भारतीयों को एक कारण से इसलिए भी यह जानकर हैरत हुई कि पाकिस्तान ने ईरान और अमेरिका के बीच मध्यस्थता करने की सफल कोशिश कर दिखाई, क्योंकि पाकिस्तानी मीडिया तक हमारी पहुंच अब नहीं रहीय 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से सभी अखबार, टीवी चौनल और कई एक्स अकाउंट प्रतिबंधित कर दिए थे। अगर आप पाकिस्तान के अंदर क्या चल रहा है, इस बारे में सिर्फ 'न्यूयॉर्क टाइम्स' और 'वॉल स्ट्रीट जर्नल' से जान पाते हैं, और पाकिस्तान के 'डॉन' या 'द न्यूज' से नहीं, तो आपकी जानने–समझने की क्षमता सीमित रह जाएगी।तीसरी सीख यह कि आपको अपने पसंदीदा चाणक्य को नियमित पढ़ने से मिलती है 'जहां आपको अपने दोस्तों को करीब रखना चाहिए वहीं अपने दुश्मनों को और भी ज़्यादा करीब रखना चाहिए'।लेखिका द ट्रिव्यून की संपादक है।

मानवता चुका रही संघर्षों–युद्धों की कीमत

–सुरेश सेठ–

मौजूदा वैश्विक माहौल में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि कई संघर्षों में नागरिकों, अस्पतालों और स्कूलों की सुरक्षा से जुड़े मानवीय सिद्धांतों की अनदेखी हो रही है। युद्ध व संघर्ष का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आम लोगों पर पड़ रहा है।

समृद्ध देशों में स्थापित हथियार निर्माण उद्योग एक अत्यंत लाभकारी क्षेत्र बन चुका है। इन उद्योगों के कारण वैश्विक स्तर पर हथियारों की मांग बनी रहती है, और कई बार यह धारणा बनती है कि युद्ध और तनाव की स्थितियां इन उद्योगों के आर्थिक हितों को बढ़ावा देती हैं। परिणामस्वरूप, हथियारों के निर्यात से संबंधित देशों की अर्थव्यवस्था और सरकारी राजस्व को भी लाभ होता है। आज दुनिया में यह धारणा प्रबल होती है कि हथियार उद्योग के आर्थिक हित विश्व के विभिन्न हिस्सों में संघर्षों के बने रहने से जुड़े रहते हैं। एक ओर शक्तिशाली देश शांति और संवाद की आवश्यकता पर जोर देते हैं, वहीं दूसरी ओर कई बार उनके कदम ऐसे दिखाई देते हैं जो संघर्षों को लंबा खींच देते हैं। विशेष रूप से खनिज संसाधनों से समृद्ध छोटे देशों में होने वाले युद्ध अक्सर लंबी अवधि ा तक चलते हैं, जिनका सबसे अधि ाक बोझ आम नागरिकों को उठाना पड़ता है। रूस द्वारा यूक्रेन के विरुद्ध शुरू किया गया युद्ध इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जो खनिज संसाध ानों और सामरिक हितों से जुड़ी जटिलताओं के कारण चार साल से जारी है।

वर्तमान में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के कार्यकाल में उसका अहमद्द सर्वोपरि है। ईरान के तेल के कुओं पर अधिकार करने की उसकी मंशा वही है जो वेनेजुएला की तेल धन पर कब्जा करने की थी। लेकिन इनका अधिनायकवाद चाहे बाहरी तौर पर इस्राइल के लोगों की रक्षा करने के रूप में उभरता है, लेकिन असल खलिश यही है कि ईरान ने अपने ही तरीके से जीने की हिम्मत क्यों की? यहां भी आठ–दस दिनों में युद्ध निपटा देने की कल्पना की गई थी। पहले ही दिन ईरान की सर्वोच्च सत्ता को साफ कर देने के बाद भी इस युद्ध का अंत अब तक नजर नहीं आता। अमेरिका को यह युद्ध नाको चने चबा गया है। वह खुद कह रहा है कि यह युद्ध लम्बा हो जाएगा, जिसका असंतोष अमेरिका के आम लोगों में भी अब नजर आने लगा है। वर्तमान समय में विश्व के विभिन्न हिस्सोंकृजैसे गाजा पट्टी, ईरान और अफगानिस्तानकृमें चल रहे संघर्ष यह दर्शाते हैं कि युद्धों का दायरा लगातार फैल रहा है। पारंपरिक रूप से युद्ध के कुछ मानवीय नियम माने जाते रहे हैं, जिनके अनुसार संघर्ष केवल सेनाओं तक सीमित होना चाहिए और आम नागरिकों, अस्पतालों तथा विद्यालयों को इससे सुरक्षित रखा जाना चाहिए। किन्तु वर्तमान परिस्थितियों में यह देखा जा रहा है कि इन सिद्धांतों की अक्सर अनदेखी हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप निर्दोष नागरिक, मरीज और बच्चे भी युद्ध की विभीषिका का शिकार बन रहे हैं।

आधुनिक मारक हथियारों से लैस युद्धरत देश मानवीय मूल्यों की परवाह किए बगैर हिंसा के साथ मौत बरसा रहे हैं। इस्राइल और अमेरिका की साझी सेनाओं ने गाजा पट्टी को नष्ट कर दिया। हाल के संघर्षों में नागरिक क्षेत्रों पर हमलों को लेकर गंभीर चिंताएं सामने आई हैं। ईरान से जुड़े घटनाक्रमों में स्कूलों और आम नागरिकों पर हमलों के आरोप लगे, जिनमें अनेक मासूमों की मृत्यु की खबरें सामने आईं, हालांकि संबंधित पक्षों ने इन दावों से इनकार किया और केवल सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की बात कही। इसी प्रकार, पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बढ़ते तनाव में भी नागरिक हानि की खबरें आई हैं, जिनमें अस्पतालों पर हमले और बड़ी संख्या में हताहत होने के दावे शामिल हैं। वहीं दूसरी ओर, आधिकारिक स्तर पर इन दावों का खंडन किया गया है और सैन्य लक्ष्यों पर कार्रवाई की बात दोहराई गई है। इन घटनाओं ने एक बार फिर युद्ध के मानवीय नियमों और नागरिकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह मांग उठ रही है कि ऐसे मामलों की निष्पक्ष जांच हो और जिम्मेदार पक्षों के विरुद्ध उचित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भारत ने अफगानिस्तान के काबुल स्थित अस्पताल पर कथित हमले की कड़ी निंदा करते हुए इसे नागरिकों के विरुद्ध अमानवीय कृत्य और संप्रभुता का उल्लंघन बताया है। संयुक्त राष्ट्र में भी इस प्रकार के हमलों पर चिंता जताई गई है।

वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में यह स्पष्ट होता जा रहा है कि कई संघर्षों में नागरिकों, अस्पतालों और स्कूलों की सुरक्षा से जुड़े मानवीय सिद्धांतों की अनदेखी हो रही है। युद्ध व संघर्ष का सबसे अधिक दुष्प्रभाव आम लोगों पर पड़ रहा है। इसी बीच चीन और ताइवान के बीच बढ़ते तनाव भी वैश्विक चिंता का विषय हैं। कुल मिलाकर, यह स्थिति दर्शाती है कि युद्ध केवल रणनीतिक या राजनीतिक मुद्दा नहीं रह गया है, बल्कि यह मानवीय मूल्यों और शांति के लिए गंभीर खतरा बनता जा रहा है। ऐसे समय में आवश्यक है कि अंतरराष्ट्रीय समुदाय सक्रिय भूमिका निभाए, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दे, तथा युद्धोन्माद को रोकने के लिए ठोस प्रयास करे, ताकि मानवता और वैश्विक शांति की रक्षा की जा सके।

बीमा सुरक्षा का माध्यम बने, न कि मुनाफे का जाल

–ललित गर्ग–

बीमा का मूल उद्देश्य जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा प्रदान करना है। यह व्यवस्था व्यक्ति को बीमारी, दुर्घटना या अन्य संकटों के समय आर्थिक सहारा देती है। परंतु आज के दौर में यह व्यवस्था अपने मूल उद्देश्य से भटकती हुई दिखाई दे रही है। विशेषकर स्वास्थ्य बीमा के क्षेत्र में जो जटिलताएं, अपारदर्शिता और मनमानी देखने को मिल रही है, उसने आमजन के विश्वास को गहरी चोट पहुंचाई है। बीमा, जो सुरक्षा का माध्यम होना चाहिए था, वह कई बार शोषण का उपकरण बनता जा रहा है। वर्तमान समय में चिकित्सा सेवाओं की लागत अत्यधि ाक बढ़ चुकी है। निजी अस्पतालों में इलाज का खर्च लाखों में पहुंच जाता है। सरकार के द्वारा रियायती मूल्यों पर उपलब्ध कराई भूमि पर बने अस्पताल आज गरीबों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। ऐसे में स्वास्थ्य बीमा एक आवश्यक सुरक्षा कवच के रूप में उभरता है। बीमा कंपनियां भी इसी भय और भविष्य की अनिश्चितता का उपयोग कर लोगों को पॉलिसी खरीदने के लिए प्रेरित करती हैं। लेकिन वास्तविक समस्या तब सामने आती है जब बीमा धारक को उसकी जरूरत होती है। दावों के निपटान के समय कंपनियां अनेक तकनीकी कारणों, शर्तों और अपवादों का हवाला देकर भुगतान से बचने का प्रयास करती हैं।

विभिन्न रिपोर्टों के अनुसार, हजारों करोड़ रुपये के बीमा दावे हर वर्ष खारिज कर दिए जाते हैं। यह स्थिति न केवल चिंताजनक है, बल्कि बीमा प्रणाली की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लगाती है। अक्सर देखा गया है कि पॉलिसी लेते समय ग्राहकों को शर्तों की पूरी जानकारी नहीं दी जाती। जटिल भाषा में लिखे गए नियम और शर्तें आम व्यक्ति की समझ से बाहर होती हैं। परिणामस्वरूप, जब दावा प्रस्तुत किया जाता है, तो उन्हीं शर्तों को आधार बनाकर भुगतान रोक दिया जाता है। इस समस्या का एक महत्वपूर्ण पहलू निजी अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच संभावित गठजोड़ भी है। कई मामलों में अस्पताल अत्यधिक बिलिंग करते हैं और बीमा कंपनियां कम भुगतान करती हैं, जिससे मरीज को भारी आर्थिक बोझ उठाना पड़ता है। यह स्थिति विशेष रूप से मध्यम और निम्न वर्ग के लोगों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। कई बार तो ऐसी घटनाएं भी सामने आती हैं, जहां अस्पताल बकाया राशि के कारण मरीज के शव को तक रोक लेते हैं, जो मानवीय संवेदनाओं के विरुद्ध है।

यदि हम विकसित देशों की तुलना करें, तो वहां बीमा प्रणाली अधिक पारदर्शी और उत्तरदायी है। दावों का निपटान समयबद्ध और न्यायसंगत तरीके से किया जाता है। भारत में भी भारतीय बीमा विनियामक और विकास प्राधिकरण (आईआरडीएआई) जैसे नियामक संस्थान मौजूद हैं, जिनका उद्देश्य बीमा क्षेत्र को नियंत्रित और संतुलित करना है। लेकिन व्यावहारिक स्तर पर इनकी प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते रहे हैं। नियामक तंत्र की निष्क्रियता या सीमित हस्तक्षेप के कारण बीमा कंपनियों की मनमानी पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस स्थिति में सुधार के लिए सबसे पहले बीमा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाना आवश्यक है। पॉलिसी दस्तावेजों को आम भाषा में प्रस्तुत किया जाना चाहिए ताकि एक सामान्य व्यक्ति भी उसकी शर्तों को समझ सके। इसके साथ ही, बीमा एजेंटों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए कि वे ग्राहकों को पूरी और सही जानकारी दें। गलत जानकारी देकर पॉलिसी बेचने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

दूसरा महत्वपूर्ण कदम है– दावा निपटान प्रक्रिया का सरलीकरण। बीमा दावों के लिए एक मानकीकृत और समयबद्ध प्रक्रिया लागू की जानी चाहिए। यदि कोई दावा खारिज किया जाता है, तो उसके स्पष्ट और उचित कारण बताए जाएं। इसके लिए एक स्वतंत्र अपीलीय तंत्र भी होना चाहिए, जहां उपभोक्ता अपनी शिकायत दर्ज कर सके और उसे त्वरित न्याय मिल सके। तीसरा, अस्पतालों और बीमा कंपनियों के बीच पारदर्शिता सुनिश्चित करना अत्यंत आवश्यक है। उपचार की लागत को नियंत्रित करने के लिए एक मानक दर प्रणाली लागू की जा सकती है। इससे अनावश्यक बिलिंग और वित्तीय शोषण पर रोक लगेगी। साथ ही, कैशलेस उपचार की सुविधा को अधिक प्रभावी और व्यापक बनाया जाना चाहिए ताकि मरीज को तत्काल आर्थिक राहत मिल सके। चौथा, सरकार को इस क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। एक राष्ट्रीय स्तर की निगरानी प्रणाली स्थापित की जानी चाहिए, जो बीमा कंपनियों और अस्पतालों की गतिविधियों पर नजर रखे। समय–समय पर ऑडिट और जांच के माध्यम से अनियमितताओं को उजागर किया जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। पांचवां, बीमा साक्षरता को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में जागरूकता अभियान चलाकर लोगों को बीमा की शर्तों, अधिकारों और प्रक्रियाओं के बारे में जानकारी दी जानी चाहिए। विशेष रूप से गरीब और अशिक्षित वर्ग के लिए सरल मार्गदर्शिका और सहायता केंद्र स्थापित किए जाने चाहिए। निश्चित तौर पर बीमा व्यवसाय को केवल लाभ कमाने का माध्यम नहीं, बल्कि सामाजिक सुरक्षा के एक महत्वपूर्ण स्तंभ के रूप में देखा जाना चाहिए। जब तक इस क्षेत्र में नैतिकता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित नहीं होगी, तब तक आमजन का विश्वास बहाल नहीं हो सकता। आज आवश्यकता इस बात की है कि बीमा प्रणाली को पुनर्गठित कर उसे जनहितकारी बनाया जाए। सरल प्रक्रियाएं, स्पष्ट नियम, सशक्त नियामक तंत्र और जागरूक उपभोक्ता–ये चार स्तंभ ही बीमा क्षेत्र को उसकी वास्तविक दिशा में ले जा सकते हैं। यदि समय रहते इन सुधारों को लागू नहीं किया गया, तो बीमा का यह महत्वपूर्ण साधन आम आदमी के लिए सुरक्षा के बजाय संकट का कारण बना रहेगा।

उच्च जोखिम समूह 'एचआरजी' के 49 प्रतिभागियों को दिया जानकारी, पुरस्कृत कर बढाया हौसला

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

संतकबीर नगर । किसान सेवा संस्थान (टी.आई. परियोजना), संत कबीर नगर द्वारा डीआईसी हॉल में एक सामुदायिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में उच्च जोखिम समूह (एचआरजी) के कुल 49 प्रतिभागियों ने सक्रिय सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समुदाय के सदस्यों को एक सकारात्मक मंच प्रदान करना, आपसी सहभागिता को प्रोत्साहित करना तथा स्वास्थ्य एवं सामाजिक विषयों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।

कार्यक्रम के अंतर्गत एचआरजी की ड्यूल किट के माध्यम से जांच भी की गई। इस दौरान डॉ. रमेश गुप्ता द्वारा सभी प्रतिभागियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया तथा काउंसलर श्रीमती बबीता श्रीवास्तव द्वारा काउंसलिंग एवं टेस्टिंग की प्रक्रिया संपन्न कराई गई।

कार्यक्रम की शुरुआत सभी प्रतिभागियों के स्वागत एवं संक्षिप्त परिचय के साथ की गई। इसके पश्चात विभिन्न सांस्कृतिक एवं सहभागितापूर्ण गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें मेहंदी प्रतियोगिता, गायन प्रतियोगिता एवं नृत्य प्रतियोगिता प्रमुख रूप से शामिल थीं। प्रतिभागियों ने इन गतिविधियों में उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

इस अवसर पर जिला क्षय रोग अधिकारी सुनील त्रिपाठी, डीपीटीसी ईश्वर चंद्र चौधरी, प्रोग्राम डायरेक्टर अतुल शुक्ला, पीपीपी क्लिनिक के डॉक्टर रमेश गुप्ता, प्रोजेक्ट मैनेजर श्रीमती प्रिया पांडे, एमएण्ड ई श्री रोहित गुप्ता, काउंसलर श्रीमती बबीता श्रीवास्तव, श्रीमती संगीता दुबे, अंशुमान श्रीवास्तव एवं समस्त पीयर की उपस्थिति रही।

उपस्थित अधिकारियों एवं विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को HIV/AIDS] टीबी एवं जांच के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। साथ ही रक्तदान के लिए प्रेरित किया गया तथा जोखिमपूर्ण व्यवहार से बचाव एवं जोखिम न्यूनीकरण के उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के दौरान सभी प्रतिभागियों को संस्था की ओर से सभी HRG को पुरस्कार वितरण कर उनका उत्साहवर्धन किया गया, जिससे उनमें सकारात्मक ऊर्जा एवं सहभागिता की भावना और अधिक प्रबल हुई।

इस सामुदायिक कार्यक्रम के माध्यम से प्रतिभागियों को एक सुरक्षित, सहयोगात्मक एवं सहज वातावरण प्राप्त हुआ, जहाँ वे बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएँ एवं विचार साझा कर सके। कार्यक्रम के परिणामस्वरूप भ्त्ळे के बीच जागरूकता में वृद्धि हुई तथा परियोजना के प्रति उनका विश्वास एवं सहभागिता और अधिक सुदृढ़ हुई।

राजकीय बालगृह में अनियमितता मिली, डीएम सख्त, अधीक्षक को फटकार लगाई, सुधार के निर्देश दिए गए

संवाददाता–देवरिया। राजकीय बालगृह का सोमवार को औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, जिला जज धनेन्द्र प्रताप सिंह, सीजेएम मंजू कुमारी और पुलिस अधीक्षक ने संयुक्त रूप से बालगृह का दौरा किया। इस दौरान व्यवस्थाओं में अनियमितता पाए जाने पर जिलाधिकारी ने अधीक्षक को कड़ी फटकार लगाई। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने कक्षाओं में जाकर बच्चों से बातचीत की। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल ने बच्चों से उनकी पढ़ाई, खानपान और दैनिक दिनचर्या के बारे में सीधे जानकारी ली। बच्चों से संवाद के दौरान कुछ व्यवस्थाओं में कमी सामने आई, जिस पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की।

अनियमितताओं पर जिलाधिकारी ने अधीक्षक को कार्य में सुधार लाने की सख्त चेतावनी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि बच्चों से जुड़े संस्थानों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जिलाधिकारी ने भविष्य में बालगृह का नियमित औचक निरीक्षण करने की बात भी कही।

अधिकारियों ने बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं, भोजन की गुणवत्ता और सुरक्षा व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की। संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाए और उनके नियमित स्वास्थ्य परीक्षण सुनिश्चित किए जाएं। बच्चों के मानसिक विकास के लिए खेलकूद और अन्य गतिविधियों के आयोजन पर भी जोर दिया गया।

जिलाधिकारी ने बालगृह परिसर में साफ–सफाई और सुरक्षित वातावरण बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बच्चों के समुचित विकास के लिए स्वच्छ और सकारात्मक माहौल आवश्यक है। जिला प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि बालगृह की व्यवस्थाओं में सुधार के लिए लगातार निगरानी रखी जाएगी और लापरवाही मिलने पर जिम्मेदारों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

खेल मैदान पर बाउंड्री निर्माण का विरोध

संवाददाता–महराजगंज। घुघली विकास खंड स्थित मेदिनीपुर ग्राम सभा के नारायण टोला में खेल मैदान पर बाउंड्री वॉल निर्माण को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। शिक्षा विभाग द्वारा कराए जा रहे इस निर्माण के विरोध में ग्रामीणों ने जोरदार प्रदर्शन किया। उन्होंने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर तत्काल कार्य रोकने की मांग की है। ग्रामीणों का आरोप है कि सरकारी विद्यालय के विस्तार के नाम पर वर्षों पुराने इस खेल मैदान की जमीन पर कब्जा किया जा रहा है। उनका कहना है कि यह मैदान केवल खेलकूद का केंद्र नहीं, बल्कि पूरे गांव की सामाजिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का प्रमुख स्थल भी है। यहां हर वर्ष मेले, कुश्ती प्रतियोगिताएं और अन्य कार्यक्रम आयोजित होते हैं, जो गांव की परंपरा और आपसी भाईचारे को मजबूत करते हैं। ग्रामीणों के अनुसार, आराजी नंबर 2355 की यह भूमि लंबे समय से खेल मैदान के रूप में उपयोग में है। करीब 3000 की आबादी वाले इस क्षेत्र में यही एकमात्र खुला मैदान है, जहां बच्चे और युवा नियमित रूप से खेलते हैं। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि इस पर बाउंड्री वॉल का निर्माण हो गया, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए खेल की सारी संभावनाएं खत्म हो जाएंगी।

यूपी पीसीएस परीक्षा में देवरिया के होनहारों का चमका सितारा, दो सगे भाईयों ने मारी बाजी

संवाददाता–देवरिया। यूपी पीसीएस की परीक्षा में देवरिया के होनहारों का खूब सितारा चमका है। जिले के आधा दर्जन से अधिक अभ्यर्थी इस परीक्षा में चयनित हुए हैं। लार विकास खंड के ग्राम बरडीहा परशुराम के रहने वाले दो सगे भाईयों ने इस परीक्षा में बाजी मारी है। होनहारों के चयन के बाद परिवार के साथ ही गांवों में भी मिठाई बांट कर खुशियों का इजहार किया जा रहा है। लार विकास खंड के ग्राम बरडीहा परशुराम के रहने वाले अवधा बिहारी सिंह देवसिया इंटर कालेज में शिक्षक हैं। उनके तीन बेटे हैं। जिसमें से सबसे बड़े अभिषेक सिंह, अनिमेश सिंह व छोटे अनिकेत हैं। अभिषेक सिंह आईआईटी मद्रास से करने के बाद दिल्ली यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने के साथ ही सिविल परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। वहीं उनके छोटे भाई अनिमेश सिंह भी उनके साथ ही तैयारी कर रहे थे। दोनों भाईयों ने इस परीक्षा में अपना दमखम दिखाया और उनका चयन हुआ है। शिक्षक अवध बिहारी सिंह ने कहा कि मेरे घर में एक साथ बड़ी खुशियां आई हैं। इनके अलावा लार विकास खंड के उकिना की अमृता कुमारी का भी चयन पीसीएस में हुआ है। जबकि बरहज विकास खंड के सतरांव की रहने वाली आयुषिका यादव, रुद्रपुर विकास खंड के ग्राम महेशपुर के रहने वाले त्रिपुरेश मणि त्रिपाठी, पथरदेवा विकास खंड के मलघोट विरैचा के रहने वाले अवनीश गोंड, भाटपाररानी विकास खंड के ग्राम खरोहवा की रहने वाली अनुष्का यादव, तरकुलवा उपनगर के रहने वाले अभिषेक यादव, बीआरडीबीडी पीजी कालेज के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष मिलिंद यादव के भाई उत्पल आनंद यादव का भी चयन पीसीएस में हुआ है।

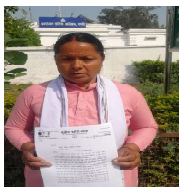

महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष लक्ष्मी यादव को मिली जान से मार देने की धमकी, एसपी से लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष लक्ष्मी यादव के साथ अभद्रता और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। सोमवार को उन्होने पुलिस अधीक्षक को पत्र देकर दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई और अपने जान माल के रक्षा की मांग किया है।

एसपी को दिये पत्र में महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष लक्ष्मी यादव पत्नी राम नयन ने कहा है कि वे कलवारी मुस्तहकम, थाना कलवारी, की निवासिनी है। उनके मायके ताहिरपुर, थाना कलवारी की निवासिनी सुधा देवी पत्नी सुधा शंकर पुत्र रामफेर, अखिलेश उर्फ सूरज पुत्र सुधा शंकर अन्नू पुत्री सुधा शंकर निवासी ग्राम ताहिरपुर, थाना कलवारी, सचिन पुत्र राम अजोर निवासी ग्राम अगौना, थाना कलवारी, उनसे रंजिश रखते है। सुधा देवी पत्नी सुधा शंकर जनपद गोण्डा में ग्राम पंचायत हरिवंशपुर, वि०ख० नवाबगंज, थाना नवाबगंज में कम्पोजिट विद्यालय में शिक्षक के पद पर फर्जी डिग्री से बिना मास्टर डिग्री लिए कार्यरत है। उनके द्वारा इस सम्बन्ध में बेसिक शिक्षा अधिकारी गोण्डा को प्रार्थना–पत्र दिया गया तो उनके द्वारा कहा गया कि सभी अध्यापक ऑनलाइन नही है, आपको पता करना पड़ेगा कि सुधा देवी मेरे जनपद के किस विद्यालय में कार्यरत है। उनकी शिकायत पर जॉच का आदेश थानाध्यक्ष कलवारी को किया गया उसी से विपक्षीगण उनकी हत्या करने पर तुले हुए है।

उक्त लोग उनके घर आये उस समय वहदवा लेने के लिए सामु०स्वा० केन्द्र बैजलपुर गयी थी. वहाँ जाकर उसे माँ–बहन की भद्दी–भद्दी गाली व जान से मारने की धमकी देने लगे तथा कहने लगे जो न्यायालय में प्रार्थना–पत्र दी हो, उसे वापस नही लोगी तो तुम्हारी हत्या तुम्हारे पूरे परिवार सहित कर देगे।

लक्ष्मी यादव ने प्रार्थना–पत्र के प्रकाश में कार्यवाही करते हुए विपक्षीगण के खिलाफ समुचित धाराओं में मुकदमा दर्ज और अपने जान माल के रक्षा की गुहार लगाया है।

डीएम ने किया जेल का औचक निरीक्षणः 510 बंदियों का जाना हाल, भोजन और स्वच्छता की गुणवत्ता परखी

संवाददाता–देवरिया। सोमवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया गया। जिलाधिकारी दिव्या मित्तल, जिला जज धनेन्द्र प्रताप सिंह, सीजेएम मंजू कुमारी और पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने संयुक्त रूप से जेल का दौरा कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। यह निरीक्षण जिले की कानून–व्यवस्था और कारागार व्यवस्थाओं की समीक्षा के तहत किया गया।

अधिकारियों ने कारागार में बंद लगभग 510 कैदियों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने विशेष रूप से

बीमार बंदियों के इलाज की व्यवस्था पर ध्यान दिया और संबंधित अधिकारियों को समय पर उचित चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इस दौरान कैदियों के भोजन, स्वच्छता और अन्य दैनिक सुविधाओं की भी गहनता से जांच की गई।

अधिकारियों ने जेल परिसर में संचालित भारत पाठशाला का भी निरीक्षण किया। उन्होंने वहां चल रही शैक्षिक गतिविधियों की जानकारी ली और कहा कि बंदियों के सुधार व पुनर्वास के लिए शिक्षा और कौशल विकास अत्यंत आवश्यक है। इस दिशा में प्रभावी प्रयास करने पर जोर दिया गया। सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा करते हुए पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने जेल प्रशासन को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एसपी ने कारागार में लगे सीसीटीवी कैमरों के सुचारु संचालन और निगरानी तंत्र को मजबूत करने के निर्देश दिए, ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों से सीधे बातचीत की और उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने कैदियों को आश्वासन दिया कि उनकी सभी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा।

इस संयुक्त निरीक्षण के बाद जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कारागार में सुरक्षा, स्वास्थ्य और अन्य व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार निगरानी रखी जाएगी और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए जाएंगे।

200 आंगनबाड़ी कर्मियों को मिले नियुक्ति पत्र

संवाददाता–बलरामपुर। महिला एवं बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में नवचयनित आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। इसे महिला सशक्तिकरण और सुपोषण अभियान को मजबूत करने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में बलरामपुर सदर विधायक पल्टूराम, तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला और जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी ने चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। इस दौरान मुख्यमंत्री का वर्चुअल संबोधन भी प्रसारित किया गया, जिसमें उन्होंने महिला सशक्तिकरण, कुपोषण उन्मूलन और आंगनबाड़ी सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर विशेष जोर दिया। जनपद स्तरीय इस कार्यक्रम में 17 आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों और विभिन्न विकास खंडोंकृरेहरा बाजार, गैसड़ी तथा उतरौलाकृकी 183 सहायिकाओं को नियुक्ति पत्र दिए गए। नवचयनित अभ्यर्थियों में इस अवसर पर उत्साह और आत्मविश्वास का माहौल देखा गया। तकनीकी सशक्तिकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। जनपद के आंगनबाड़ी तंत्र को कुल 1915 स्मार्टफोन उपलब्ध कराए गए हैं। कार्यक्रम के दौरान 15 मुख्य सेविकाओं को मोबाइल फोन वितरित किए गए, जिससे पोषण ट्रैकिंग, डेटा प्रबंधन और निगरानी कार्य अधिक प्रभावी हो सकेगा।

गैस वितरण में मनमानी का आरोप लगा भाजपाइयों ने शुरू किया क्रमिक अनशन

संवाददाता–महराजगंज। नौतनवा कस्बे के अस्पताल चौराहे पर सोमवार को भाजपा नेता जितेंद्र जायसवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में मौजूद कार्यकर्ता व उपभोक्ता क्रमिक अनशन पर बैठ गए। लोगों का आरोप है कि कस्बे के गैस एजेंसी प्रबंधन द्वारा उपभोक्ताओं के डीएसी नंबर पर गैस सिलेंडर रिफिल की होम डिलिवरी नहीं की जा रही है। घरेलू गैस सिलेंडर पर ओवर रेटिंग कर अवैध वसूली करने के साथ ही आधी रात से ही लंबी–लंबी लाइन लगवाकर उपभोक्ताओं को परेशान किया जा रहा। इसके पहले लोगों ने प्रदर्शन कर कार्रवाई की मांग की। समर्थकों के साथ क्रमिक अनशन पर बैठे भाजपा नेता जितेंद्र जायसवाल ने कहा कि जिला प्रशासन व नौतनवा तहसील प्रशासन के आदेशों को भी एजेंसी संचालक दरकिनार कर रहे हैं।

मनमाने तरीके से राष्ट्रीय राजमार्ग व अन्य मार्गों पर लंबी–लंबी लाइन लगवा कर गैस सिलेंडर का वितरण किया जा रहा है। ओवर रेटिंग कर घरेलू गैस सिलेंडर निर्धारित मूल्य से अधिक दाम की अवैध वसूली की जा रही है। उपभोक्ताओं को डीएससी

नंबर के बावजूद भी होम डिलिवरी नहीं की जा रही है। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आंदोलन और वृहद होगा। इस दौरान सुधांशु वर्मा, सत्यम सोनी, अमन आनंद, संतोष निषाद, दीपेंद्र बरनवाल, शत्रुघ्न जायसवाल, बैजनाथ, विंध्याचल मद्धेशिया, मानक वर्मा, राहुल वर्मा, उमाशंकर पांडेय, बेचू चौरसिया, श्याम कुमार थापा, बसंत बहादुर गुरूंग, सुनील छेत्री, करन गुप्ता, संजय चौहान, अनुराग जायसवाल, प्रफुल्ल गुप्ता, सुनील गुप्ता, चेतन चौहान सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।क्रमिक अनशन स्थल पर पहुंचे एसडीएमएसडीएम नवीन प्रसाद अस्पताल चौराहे पर चल रहे क्रमिक अनशन स्थल पर पहुंचे।

भाजपा नेता व अनशनकारियों को समझने का प्रयास किया। आश्वासन भी दिया बावजूद अनशन पर बैठे कार्यकर्ताओं ने कहा कि आश्वासन नहीं लोगों की समस्याओं का समाधान होना चाहिए। गैस एजेंसी द्वारा की जा रही मनमानी तत्काल बंद होनी चाहिए।लोगों की समस्याओं का समाधान करने की पूरी कोशिश हो रही है। होम डिलिवरी की शत प्रतिशत सुविधा उपभोक्ताओं को मिलेगी। जिम्मेदारों को निर्देशित किया जा चुका है और ओवर रेटिंग की भी शिकायत को संज्ञान में लिया है। मामले की जांच कर कार्रवाई अवश्य की जाएगी।नवीन प्रसाद, एसडीएम, नौतनवा

सड़क हादसे में दो बाइक सवारों की मौत, ट्रक से टकराई बाइक, चालक फरार

संवाददाता–श्रावस्ती। जिले के गिलौला थाना क्षेत्र में घर लौट रहे दो बाइक सवार अनियंत्रित होकर पहले ट्रक से टकराए और फिर ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आ गए। इस भीषण टक्कर की रफ्तार इतनी तेज थी कि दोनों सवार गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल पहुंचने से पहले ही उनकी सांसें थम गईं। हादसे के बाद दोनों वाहनों के चालक मौके से फरार हो गए, जिनकी तलाश पुलिस कर रही है। बहराइच जिले के नगरौर गांव निवासी मोहम्मद हलीम (48) विगत कई वर्षों से गिलौला कस्बे में सिलाई का काम करते थे। उनके पड़ोसी जमील भी उनके साथ इसी दुकान पर काम करते थे। हादसा गिलौला–बहराइच मार्ग पर परेवपुर गांव के पास हुआ। हादसे में बहराइच की ग्राम पंचायत नगरौर निवासी मोहम्मद अलीम (45) व जमील अंसारी (40) की मौके पर ही मौत हुई है। वहीं, ट्रैक्टर चालक बहराइच के अशोका डीहा निवासी कमलेश (25) व खलासी पुनीत वर्मा (18) गंभीर रूप से घायल हैं।

दोनों रोज साथ मिलकर बाइक से गिलौला आते और शाम को दुकान बंद कर घर लौट जाते थे। रविवार की रात भी दोनों ने हमेशा की तरह दुकान बंद की और बाइक से नगरौर के लिए निकल पड़े। लेकिन उन्हें नहीं पता था कि यह उनकी आखिरी यात्रा होगी।परेवपुर के पास हुआ हादसारात के सन्नाटे में जैसे ही दोनों परेवपुर के पास पहुंचे, अचानक उनकी बाइक अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे ट्रक से जा टकराई। ट्रक की टक्कर इतनी जोरदार थी कि बाइक उछलकर पास खड़ी ट्रैक्टर–ट्रॉली की चपेट में आ गई। दोहरी टक्कर के कारण मोहम्मद हलीम और जमील बुरी तरह घायल होकर सड़क पर गिर पड़े। आसपास के लोगों ने जब शोर सुना तो मौके पर पहुंचे और तुरंत पुलिस को सूचना दी।अस्पताल में तोड़ा दमसूचना मिलते ही गिलौला पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) गिलौला ले जाया गया। वहां उपस्थित चिकित्सकों ने दोनों की हालत देखते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया। दोनों के परिवारों में कोहराम मच गया। मृतकों के परिजन जब अस्पताल पहुंचे तो उनका रो–रोकर बुरा हाल था।चालक छोड़ गए वाहन, हुए फरारहादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि ट्रक और ट्रैक्टर–ट्रॉली के चालक अपने–अपने वाहन मौके पर छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गए। पुलिस ने दोनों वाहनों को अपने कब्जे में ले लिया है और फरारचालकों की तलाश में जुट गई है।

वाहनों के कागजात और अन्य साक्ष्यों के आधार पर चालकों की पहचान की जा रही है।पोस्टमार्टम के लिए भेजे शवगिलौला पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भिनगा भेज दिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी ने बताया कि फरार चालकों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा और हादसे के सभी पहलुओं की गहनता से जांच की जाएगी।

अटल आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा परिणाम घोषितः 771 अभ्यर्थियों में से 221 अभ्यर्थी हुए सफल

संवाददाता–गोण्डा। गोंडा जिले के मनकापुर सिसवा स्थित अटल आवासीय विद्यालय का प्रवेश परीक्षा 2026–27 का परिणाम आज सोमवार को घोषित कर दिया गया है। कक्षा–06 और कक्षा–09 में कुल 771 अभ्यर्थियों में से 221 सफल हुए हैं। इन सफल अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 1 अप्रैल से 6 अप्रैल तक आयोजित की जाएगी। यह प्रवेश परीक्षा बीते 8 मार्च को जिले के राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित की गई थी। इसमें देवी पाटन मंडल के गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती और बहराइच जिलों से 771 बच्चों ने हिस्सा लिया था। ये सभी अभ्यर्थी श्रमिक परिवारों से हैं या ऐसे बच्चे हैं जिनके माता–पिता का कोविड काल में निधन हो गया था। काउंसलिंग अटल आवासीय विद्यालय, सिसवा, मनकापुर (गोंडा) परिसर में सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक होगी। उपश्रमायुक्त द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, कक्षा–06 के चयनित अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 1 और 2 अप्रैल 2026 को होगी, जबकि कक्षा–09 के अभ्यर्थियों की काउंसलिंग 4 और 6 अप्रैल 2026 को निर्धारित है। जारी परिणाम के अनुसार, कक्षा–06 में कुल 160 सीटों (80 बालक और 80 बालिका) के लिए 160 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। वहीं, कक्षा–09 में 61 सीटों (31 बालक और 30 बालिका) के सापेक्ष 61 अभ्यर्थी सफल हुए हैं। चयनित अभ्यर्थियों की सूची श्रेणीवार जारी की गई है, जिसमें अनारक्षित, अन्य पिछड़ा वर्ग, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थी शामिल हैं। उपश्रमायुक्त अनुभव वर्मा ने स्पष्ट किया है कि चयनित अभ्यर्थियों को काउंसलिंग के समय सभी आवश्यक मूल अभिलेख प्रस्तुत करने होंगे। अभिलेखों के सत्यापन के बाद ही प्रवेश प्रक्रिया पूरी की जाएगी। यदि किसी भी स्तर पर अभिलेखों में कोई त्रुटि पाई जाती है, तो संबंधित अभ्यर्थी का प्रवेश निरस्त किया जा सकता है। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों और अभिभावकों से निर्धारित तिथियों पर समय से उपस्थित होने की अपील की है।

छुट्टी के लिए जेई ने दफ्तर में काटा बवाल, एक्सईएन ने दर्ज कराया मुकदमा

संवाददाता–महराजगंज। चिकित्सीय अवकाश स्वीकृत कराने को लेकर ग्रामीण अभियंत्रण विभाग के दफ्तर में हंगामा करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि अवर अभियंता 3–4 अज्ञात अराजकतत्वों के साथ कार्यालय पहुंचे। आरोप है कि अधिशासी अभियंता पर दबाव बनाते हुए अभद्रता करने लगे। इस मामले में अधिशासी अभियंता की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने आरोप अवर अभियंता व उसके तीन–चार अज्ञात सहयोगियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अधिशासी अभियंता ग्रामीण अभियंत्रण विभाग प्रवीण कुमार भारती ने कोतवाली पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 28 मार्च को अवर अभियंता यशवंत गौतम अपने चिकित्सीय अवकाश को स्वीकृत कराने के उद्देश्य से कार्यालय पहुंचे। उस समय वह स्वयं शासकीय कार्य से अर्थ एवं संख्याधिकारी कार्यालय में मौजूद थे।

आरोप है कि अवर अभियंता बिना इंतजार किए वहीं पहुंच गए। अभद्रता करते हुए डराने–धमकाने का प्रयास किया। तहरीर के अनुसार आरोपित अवर अभियंता चिकित्सीय अवकाश पर होने के बावजूद कार्यालय पहुंचे। अस्वस्थ भी नहीं दिखे। विभागीय नियमों के अनुसार चिकित्सीय अवकाश की स्वीकृति डॉक्टर द्वारा जारी प्रमाण–पत्र के आधार पर ही संभव होती है। इसके बावजूद दबाव बनाने का प्रयास किया गया। अधिशासी अभियंता ने आशंका जताई है कि जनगणना ड्यूटी से बचने के उद्देश्य से यह पूरा प्रकरण किया गया। उन्होंने इसे सरकारी कर्मचारी आचरण नियमावली के विपरीत बताते हुए कार्रवाई की मांग की।

चौकी इन्चार्ज पर फूटा राष्ट्रीय बजरंग दल का गुस्साः एसपी को सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल विधि प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष धर्मेंद्र कनौजिया एडवोकेट, राष्ट्रीय बजरंग दल जिला अध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी के नेतृत्व में पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओ ने पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर विधि प्रकोष्ठ के जिला मंत्री उमेश कुमार एल० एल० बी तृतीय वर्ष के छात्र के साथ चौकी इन्चार्ज अस्पताल चौराहा पवन कुमार मौर्या द्वारा अभद्रता किये जाने के मामले को लेकर प्रभावी कार्यवाई की मांग किया। राष्ट्रीय बजरंग दल जिला अध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी ने चेतावनी दिया कि न्याय न मिला तो कोतवाली का घेराव किया जायेगा। एसपी को दिये ज्ञापन में कहा गया गया है कि गत 8 मार्च को चौकी इन्चार्ज पवन मौर्या द्वारा उमेश कुमार थाना कोतवाली बस्ती में बुलाया गया और उमेश को डाटा फटकारा गया। जब जानकारी मिली कि उमेश कुमार को कोतवाली में बैठा लिया गया है तो उन्होने अपना परिचय देते हुए बताया कि मैं राष्ट्रीय बजरंग दल का जिला अध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी बोल रहा हूँ, आप हमारे संगठन के जिला मंत्री को क्यों थाने पर बैठा कर डाट फटकार रहें तो चौकी इनचार्ज पवन मौर्या द्वारा कहा गया कि ठीक है देख लेते है परन्तु उसके तुरन्त बाद पवन मौर्या ने उमेश कुमार को थाने के लॉकप में बंद कर उन्हे गाली गुप्ता दिया गया कहा कि तुम बहुत हिन्दू वादी नेता बनते हो और तुम इनसे उनसे फोन करवाओगे तथा थाने पर तैनात साजिद जमाल द्वारा गाली गुप्ता देते हुए कॉलर पकडकर थप्पड भी मारा व उमेश के घर वालो से बीस हजार रूपये की मांग किया गया। राष्ट्रीय बजरंग दल जिला अध्यक्ष मनमोहन त्रिपाठी ने मांग किया है कि चौकी इन्चार्ज पवन मौर्या के खिलाफ नियमानुसार विधिक कार्यवाही किया जाए। ज्ञापन देने वालों में उमेश कुमार, जितेंद्र चौधरी, आशीष यादव, रजनी चौधरी, सत्येंद्र यादव, सत्येंद्र कुमार एडवोकेट, विजय कुमार चौरसिया एडवोकेट, कृष्ण अवतार, राम जी गौतम, विवेकानंद, भारत, शिवानंद, सिद्धार्थ शुक्ला आदि शामिल रहे।

वार्षिकोत्सव में झूमा बचपन, पुरस्कृत हुये मेधावी

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। जनपद के रुधौली क्षेत्र के करमहिया में स्थित जय माता रानी श्रीमती इन्द्रावती इंटर कॉलेज एवं जे.एम.आर. एकेडमी का वार्षिकोत्सव सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बीच उत्साह के साथ मनाया गया। शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। इस अवसर पर पत्रकार संतोष सिंह सहित अन्य अतिथियों ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

इस दौरान विद्यालय के छात्र–छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुतियां दीं। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश वंदना से हुई, जिसमें दिलबहर, सौरभ, प्रियांश, अनुज, ऋषभ, ऋतिक और शिवम ने प्रस्तुति दी। इसके बाद विद्यार्थियों ने नशा मुक्ति पर आधारित नाटक प्रस्तुत किया, जिसमें अस्तित्व, अरविंद, अरुण, प्रिंस, राजकुमार, कृष्ण कन्हैया एवं ज्योति ने प्रभावशाली अभिनय किया।

कार्यक्रम में हरियाणवी लोक नृत्य भी आकर्षण का केंद्र रहा, जिसे कल्याणी, गौरी, अर्चना, रंजना, जानवी, अमृता, सौम्या, प्रियांशी, प्रज्ञा, आंचल, अंशिका और रागिनी ने प्रस्तुत किया। इसके अलावा देशभक्ति नृत्य में मुवश्शरीन, मुस्लिमा, राशिदा, उजमा, सादिया, साजिदा, सकीरा और काजल शुक्ला ने शानदार प्रस्तुति देकर दर्शकों की खूब तालियां बटोरीं। वहीं "वृद्धा आश्रम" विषय पर विशेष प्रस्तुति शिवानी पांडेय और अस्तित्व द्वारा दी गई, जिसने उपस्थित लोगों को भावुक कर दिया। साथ ही पढ़ाई, खेलकूद और अन्य गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। विद्यालय की प्रबंधक प्रियंका आर्या और प्रधानाचार्य राज आर्या ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और क्षेत्रवासियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों की प्रतिभा को निखारने और आत्मविश्वास बढ़ाने का बेहतर मंच प्रदान करते हैं।

कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के सहयोगी अध्यापकों शशि द्विवेदी, रीना शुक्ला, सरिता भारती, धनोत्री श्रीवास्तव, दीप्ति तिवारी, शशि गौतम, डब्लू आर्या, हरिश्चंद्र उपाध्याय, सिनोद शर्मा, अनिल, जावेद और अवधेश का महत्वपूर्ण योगदान रहा। वहीं कार्यक्रम के ट्रेनर अश्वनी राज के मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में अभिभावक और क्षेत्रवासी मौजूद रहे। कार्यक्रम में क्षेत्र के कई गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही, जिससे आयोजन की भव्यता और भी बढ़ गई।

53 निपुण परिषदीय विद्यालयों को किया गया पुरस्कृत

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। हर्रैया बीआरसी सभागार में सोमवार को निपुण सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी विजय आनंद की अध्यक्षता में किया गया। कार्यक्रम में जनवरी और फरवरी माह में डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा परिषदीय स्कूलों में कराए गए असेसमेंट के आधार पर निपुण हुए विद्यालयों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। ब्लॉक क्षेत्र के 123 परिषदीय विद्यालयों के कक्षा एक और दो के बच्चों का असेसमेंट डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा कराया गया था। जिसमें कुल 53 विद्यालय निपुण पाए गए थे। सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि शिक्षकों के अथक प्रयास से यह उपलब्धि हासिल हुई है, जो कि सराहनीय है। कहा कि सरकार परिषदीय विद्यालयों के कायाकल्प और शैक्षिक गुणवत्ता बढ़ाने के लिए लगातार प्रयासरत है। उन्होंने शिक्षकों से बच्चों को बेहतर शैक्षिक माहौल और अच्छी शिक्षा देने का आह्वान किया। कहा कि सभी शिक्षक पूरे मनोयोग से अपने विद्यालय में मेहनत करें ताकि पूरा ब्लॉक आगामी शैक्षिक सत्र में निपुण हो सके। ब्लॉक के एआरपी संतोष कुमार शुक्ल, मनोज मिश्र, रवीश कुमार मिश्र, राजीव शुक्ल और काशीराम ने भी शिक्षकों को बेहतर शैक्षिक माहौल के लिए प्रोत्साहित किया। कहा कि शिक्षक पूरी ईमानदारी से बच्चों को शिक्षा देने के साथ ही उनकी उपस्थिति पर भी ध्यान दें। कहा कि शिक्षक अभिभावकों से मिलकर बच्चों को नियमित स्कूल भेजने के लिए प्रेरित करें, ताकि शत–प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जा सके। इस अवसर पर बड़ी संख्या में शिक्षक उपस्थित रहे।

क्लर्क की बेटी बनी नायब तहसीलदार

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। नारी सशक्तिकरण का बेहतरीन उदाहरण पेश करते हुए नीलम त्रिपाठी ने यूपीपीसीएस परीक्षा उत्तीर्ण कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया। परीक्षा में उन्होंने 165 वीं रैंक प्राप्त करते हुए नायब तहसीलदार के पद पर चयनित हुईं। भनवापुर ब्लाक के ग्राम मधुकरपुर निवासी इटवा तहसील में दस्तावेज लेखक राम तेज त्रिपाठी की पुत्री नीलम ने चौथे प्रयास में परीक्षा उत्तीर्ण की। नीलम हाईस्कूल व इंटर मीडियट शिक्षा राम जानकी इंटर कॉलेज गिरधरपुर, बीएससी की शिक्षा गुरु वशिष्ठ महाविद्यालय मनकापुर और एमए की शिक्षा इग्नू से की। बीएड के की पढ़ाई के पहले तैयारी के लिए प्रयागराज और फिर दिल्ली में रहने लगी। तीन प्रयास में सफलता नहीं मिली, मगर हिम्मत नहीं हारी और 2024 की पीसीएस परीक्षा दी। परिणाम आया तो नायब तहसीलदार के पद पर चयन हुआ। खबर स्वजन को मिली तो सभी हर्षित उठे, गांव में भी खुशी की लहर दौड़ गई। पूर्व शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी, नपं अध्यक्ष इटवा विकास जायसवाल, बलराम मिश्रा, अजय पाण्डेय, कृष्णा मिश्रा, शिव कुमार, हरीश चौधरी सहित अन्य लोगों ने प्रसन्नता प्रकट करते हुए नीलम त्रिपाठी को बधाई दी है।

दबंगों ने मारा पीटा, पीड़ित परिवार ने लगायी जानमाल के रक्षा की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता– बस्ती। रुधौली थाना क्षेत्र के मल्हवार निवासिनी मरियम पत्नी सलमान अहमद ने दबंगों द्वारा मारने पीटने, मुकदमा दर्ज होने के बाद लगातार धमकियां देने के मामले में दोषियों की गिरफ्तारी और अपने परिवार के जान माल के रक्षा की गुहार उच्चाधिकारियों से लगाया है। मरियम पत्नी सलमान अहमद ने रुधौली थाने को दिये तहरीर में कहा है कि गत 28 मार्च को उसके घर पर किराना की दूकान है दूकान पर उसकी माँ मजीबुन्निशा पत्नी अजीर्जुरहमान बैठी थी इसी समय ईस्लाम आ गये तो उसकी मां ने कहा कि भाई आप के खेत में काफी सरसो पिटा हुआ है यही सब बात हो रही थी तभी हमीदुल्लाह पुत्र अब्दुल्लाह व वसीउल्लाह पुत्र अब्दुल्लाह व तसरिफून पुत्री अब्दुल्लाह व सबाना पुत्री हमीदुल्लाह आदि लोगो ने अचानक ईट पत्थर व लाठी डंडा से मारने लगे जिसे बचाने उनकी बहन जबेरिया दौड कर गयी साथ में वह भी गयी परन्तु इन लोगो ने मारा पीटा मारा पीटा जिससे काफी चोट आयी है। उसकी मां का सर फट गया काफी खून बह गया है। उक्त लोग भद्दी भद्दी गाली देते हुए जान से मार देने की धमकी दे रहे है।

गैस सिलेंडर की किल्लत और कालाबाजारी के खिलाफ कांग्रेसियों का डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन

संवाददाता–गोरखपुर। रसोई गैस सिलेंडरों की कमी और कालाबाजारी के आरोपों को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी ने केंद्र सरकार से हस्तक्षेप की मांग की है। कांग्रेस जिला अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने आम जनता को हो रही परेशानी को गंभीर बताते हुए इस मामले में सख्त कार्रवाई की अपील की है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष राजेश कुमार तिवारी ने सोमवार को जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन एसडीएम सदर को सौंपा। मांग किया कि महानगर और आसपास के कस्बों में गैस एजेंसियों को उनके निर्धारित कोटे के अनुसार समय पर सिलेंडर उपलब्ध नहीं कराए जा रहे हैं, जिससे एजेंसियों पर भीड़ लगातार बढ़ रही है।

आरोप लगाया गया है कि गैस एजेंसी संचालक, वितरण के बाद बचे हुए सिलेंडरों को कुछ बिचौलियों के माध्यम से कालाबाजारी में ऊंचे दामों पर बेच रहे हैं। इसके चलते आम उपभोक्ताओं को 2000 से 3500 रुपये तक में गैस सिलेंडर खरीदने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। घरेलू गैस सिलेंडरों का इस्तेमाल होटल, ढाबों, ठेलों और गुमटियों में भी धड़ल्ले से किया जा रहा है, जिससे घरेलू उपभोक्ताओं की परेशानी और बढ़ गई है। कांग्रेसियों ने मांग किया कि इस पूरे मामले की गोपनीय जांच कराई जाए और कालाबाजारी में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही, गैस बुक करने वाले उपभोक्ताओं को होम डिलीवरी की सुविधा सुनिश्चित करने की भी अपील की गई है, ताकि एजेंसियों पर अनावश्यक भीड़ कम हो और जनता को राहत मिल सके। प्रदर्शन करने वालों में गोरखलाल श्रीवास्तव, अनिल सोनकर, विनोद कुमार पाण्डेय, अनवर हुसैन, महेंद्रनाथ मिश्र समेत अन्य उपस्थित रहे।

दो युवकों का यूपीपीसीएस में सिलेक्शनः एक डिप्टी जेलर, दूसरा नायब तहसीलदार बना

संवाददाता–अयोध्या। मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के दो युवाओं ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीसीएस) परीक्षा में सफलता हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। इनमें एक का चयन नायब तहसीलदार और दूसरे का डिप्टी जेलर पद पर हुआ है। दोनों की सफलता से क्षेत्र में खुशी का माहौल है और लोग उनके घर पहुंचकर बधाई दे रहे हैं।

कुमारगंज क्षेत्र के सरूरपुर खरैला गांव निवासी प्रणव पाण्डेय ने नायब तहसीलदार पद प्राप्त किया है। उनके पिता विश्वमित्र पाण्डेय मथुरा स्थित एक निजी कंपनी में कार्यरत हैं। प्रणव पांच भाई–बहनों में से एक हैं। उनके बड़े भाई अनुराग पाण्डेय हमीरपुर पॉलिटेक्निक में प्रवक्ता हैं, जबकि बड़ी बहन पूजा सरकारी शिक्षिका हैं। दूसरी बहन प्रज्ञा कुमारगंज स्थित कृषि विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर हैं और छोटे भाई योगेश पाण्डेय आगरा में एमबीबीएस सर्जन के रूप में कार्यरत हैं।

प्रणव पाण्डेय की सफलता की खबर मिलते ही परिवार में खुशी की लहर दौड़ गई। परिजन और ग्रामीण लगातार उनके घर पहुंचकर शुभकामनाएं दे रहे हैं। प्रणव की माता ने खुशी जताते हुए कहा कि उनके सभी बच्चों ने मेहनत के बल पर सफलता हासिल की है।

वहीं, उनके परिजन राम भूषण पाण्डेय ने बताया कि यह सफलता लंबे इंतजार के बाद मिली है, जिसे प्रणव ने अपनी कड़ी मेहनत और लगन से संभव किया।उनकी बहन प्रज्ञा ने बताया कि प्रणव ने दूसरी बार में यह परीक्षा पास की और छात्रों को संदेश दिया कि निरंतर प्रयास से सफलता जरूर मिलती है। दूसरी ओर, अमानीगंज शिक्षा क्षेत्र की ग्राम पंचायत धरौली कटैया भदी गांव निवासी अनुपम तिवारी ने डिप्टी जेलर पद पर चयनित होकर क्षेत्र का मान बढ़ाया है। अनुपम इलाहाबाद में रहकर प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे थे। उनके पिता श्याम नारायण तिवारी सरकारी शिक्षक हैं, जबकि माता गृहिणी हैं। अनुपम अपने माता–पिता की इकलौती संतान हैं। दोनों युवाओं की सफलता से पूरे क्षेत्र में गर्व और उत्साह का माहौल है।

पुलिस ने लूट का किया खुलासा, मुर्गी फॉर्म कर्मचारी से तमंचे के बल पर हुई थी वारदात

संवाददाता–संतकबीरनगर। महुली पुलिस ने एक लूट की वारदात का कुछ ही घंटों में खुलासा कर दिया है। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को अवैध हथियार और लूटे गए सामान के साथ गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह ने घटना का विवरण साझा किया। यह घटना सोमवार सुबह हुई थी, जब ग्राम रजनीली निवासी दानिश पुत्र अजीजुल्लाह, जो धनघटा के एक मुर्गी फार्म में कार्यरत हैं, बाइक से घर लौट रहे थे। भगौतीपुर पुलिया के पास एक अज्ञात बदमाश ने उन्हें तमंचा दिखाकर रोका और उनका बैग छीनकर फरार हो गया। बैग में बाट–माप मशीन, मोबाइल चार्जर और कुछ महत्वपूर्ण रसीदें थीं। घटना की सूचना मिलते ही महुली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल मुकदमा संख्या 110/26 दर्ज कर जांच शुरू की। महुली थाना प्रभारी दुर्गेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में एक पुलिस टीम का गठन किया गया, जिसने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई की।

त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने अगया उर्फ सिदाही मोड़ के पास से आरोपी गुलशन गौतम (निवासी भगौतीपुर) को घेराबंदी कर पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से घटना में इस्तेमाल किया गया एक अवैध .12 बोर तमंचा, एक जिंदा कारतूस और लूटा गया काला बैग बरामद किया गया।

पूछताछ में आरोपी गुलशन गौतम ने स्वीकार किया कि वह काफी समय से पीड़ित दानिश की गतिविधियों पर नजर रख रहा था और पैसों के लालच में उसने इस वारदात को अंजाम दिया।

गोशाला स्तर पर भूसा बैंक की स्थापना करें –धर्मपाल सिंह

संवाददाता–गोरखपुर। उत्तर प्रदेश सरकार के पशुधन एवं दुग्ध विकास मंत्री धर्मपाल सिंह ने निराश्रित गोवंश के लिए सूबे में संचालित 7500 गो आश्रय केंद्रों में संरक्षित 14 लाख गोवंश के लिए गोशाला स्तर पर भूसा बैंक की स्थापना के लिए निर्देश दिए। इसके पूर्व भूसा बैंक की स्थापना दिला स्तर पर की जा रही थी। सोमवार को गोरखपुर के एनेक्सी भवन में मीडिया कर्मियों से मुखातिब धर्मपाल सिंह ने कहा कि गो संरक्षण के लिए जिलाधिकारी की अध्यक्षता में छह विभाग जुड़ कर काम कर रहे हैं। इन विभागों में नगर विकास, पशुपालन, पंचायतीराज विभाग, ग्राम विकास, राजस्व, पुलिस के साथ बैठक में निर्देशित किया गया कि भूसा बैंक के लिए टेंडर की प्रक्रिया अप्रेल माह तक पूर्ण कर ली जाए, क्योंकि अब भूसा सहज रूप से उपलब्ध है।

उसे संरक्षित करने का भी सही वक्त यही है। इसके अलावा गोचर भूमि को चिन्हित कर उसके अवैध कब्जे हर हाल में हटाए जाए। इन स्थलों पर गायों को हरा चला सहज उपलब्ध किया जा सके, इसके इंतजाम किए जाए। तापमान निरंतर बढ़ रहा, ऐसे में गो आश्रय स्थल पर गायों की सुविधा का ध्यान रखते हुए छांव, पानी, दवा, हरा चारा आदि का उचित प्रबंध किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।पशुपालन से बढ़ेगी किसानों की आयकैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह ने कहा कि किसानों की आय केवल खेती से नहीं, बल्कि पशुपालन से भी दोगुनी की जा सकती है। सूबे में पशुपालन क्षेत्र को गति देने के लिए छह प्रमुख योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें चारागाह विकास, नेपियर घास उपलब्ध कराने, सीड बैंक निर्माण, मोबाइल वेटनरी यूनिट, सुकर पालन और बकरी पालन योजनाएं शामिल हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश दूध उत्पादन में देश में पहले स्थान पर है और इसे और मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना और स्वदेशी गौ संवर्धन योजना के तहत गाय पालन पर अनुदान मिल रहा है। निराश्रित गोवंश की समस्या को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए कहा कि बड़े गो संरक्षण केंद्र बनाए जा रहे हैं। गोचर भूमि को कब्जामुक्त कर हरे चारे की व्यवस्था की जा रही है। नंदिनी कृषक समृद्धि योजना सहित अन्य योजनाओं के माध्यम से पशुपालकों को 50 से 90 प्रतिशत तक अनुदान दिया जा रहा है, जिससे उनकी आय बढ़ाने में मदद मिलेगी।

पूर्वोत्तर रेलवे के नए सीपीआरओ बने सुमित कुमार

संवाददाता–गोरखपुर। सुमित कुमार पूर्वोत्तर रेलवे के नए सीपीआरओ बनाए गए हैं। रेलवे बोर्ड ने इस सम्बंध में सोमवार को आदेश जारी कर दिया है। सुमित कुमार वर्तमान में उप मुख्य वाणिज्य प्रबंधक एमएफ पद पर कार्यरत हैं। वह मंगलवार को कार्यभार ग्रहण कर सकते हैं।

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
मु0नं0– 137
T202417140304779
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) बस्ती जिला–बस्ती
हरी प्रसाद
बनाम
भगउही उर्फ भगड़ही आदि
1. भगउही उर्फ भगड़ही पुत्र रोजन साकिन गनेशपुर तप्पा गनेशपुर (चौरवा) परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती 2. नगर पंचायत ग्राम गनेशपुर तप्पा गनेशपुर परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती 3. सरकार उत्तर प्रदेश जरिये कलेक्टर बस्ती
तारीख पेशी 06–04–2026
अपील बनराजी के अदालत मुकाम बस्ती
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 06 महीना 04 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर की है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जवाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी। आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा (आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
नम्बर मुकदमा– /2025
धारा 24 उ0प्र0 राजस्व संहिता 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय बांसी जिला–सिद्धार्थनगर
अब्दुल वहीद
बनाम
भागीरथी आदि
1. भागीरथी पुत्र नेवास साकिन बहादुरपुर तप्पा असनार 2. बुर्जी पुत्र बलिकरन साकिन कोल्हुई तप्पा असनार 3. रामकरन पुत्र मुन्नीलाल साकिन जीवा तप्पा कुदरन 4. रामजियावन पुत्र दयाराम साकिन कोल्हुई तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर –विपक्षीगण प्रथम वर्ग 5. अब्दुल मुईद पुत्र अब्दुल लतीफ 6. अरशद हमीद पुत्र अब्दुल हमीद 7. आमीना पत्नी अब्दुल हमीद 8. खालीद हमीद पुत्र अब्दुल हमीद 9. राशिद हमीद पुत्र अब्दुल हमीद10. साजीद हमीद पुत्र अब्दुल हमीद साकिनान रमवापुर मिश्र तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जिला सिद्धार्थनगर
–विपक्षीगण द्वितीय वर्ग
11. ग्राम पंचायत भटौली द्वारा प्रधान ग्राम पंचायत भटौली तप्पा असनार परगना बांसी पूरब तहसील बांसी जनपद सिद्धार्थनगर
–विपक्षी तृतीय वर्ग
तारीख पेशी 02–04–2026

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 02 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

(हेतु सन्दर्शित करने की सूचना साधारण प्रारूप)
(आर्डर 5 कायदा 3)
न्यायालय–श्रीमान विशेष न्यायाधीश/ई0सी0 एक्ट महोदय बस्ती जिला–बस्ती
फौ0 नि0 सं0 325/2025
सुमन किन्नर
बनाम
संजय आदि
2. अभिषेक यादव पुत्र अज्ञात 3. दीपक यादव पुत्र अज्ञात 4. राज उर्फ संदीप यादव पुत्र अज्ञात साकिनान मौजा अजगैवा जंगल बंगलवा थाना गौर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 13–04–2026

चूंकि उपरिनामांकित ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि अतएवं आपके एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इसे आदेश के खिलाफ हेतु सन्दर्शित करने के लिये 2026 के माह 04 के 13 दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्पर्क रूपेण अनुर्दिष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा न करने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज सन 20 के माह के दिवस को निकाली गयी।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान चतुर्थ अति0 सिविल जज (जू0डि0) महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–880/95
दूधनाथ
बनाम
रामअजोर आदि
2/1 विजय कुमार 2/2 जय कुमार पुत्रगण राम कुमार साकिनान मौजा अमरौली सुमाली तप्पा सिकन्दरपुर परगना बस्ती पूरब तहसील भानपुर जिला–बस्ती
तारीख पेशी 04–04–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 04 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुदाअलेह मुतवफ्फा (आर्डर 22, कायदा 4)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
प्रकीर्ण वाद सं0–134/2022
दयाशंकर
बनाम
राधेश्याम आदि
19/1. लालचन्द 2. गुलाबचन्द 3. तरुणचन्द्र 4. ज्ञानचन्द्र पुत्रगण रामअजोर 5. दुर्गावती देवी पत्नी फूलचन्द्र 6. अश्विनी कुमार पुत्र फूलचन्द्र 21/1 श्रीमती कलावती देवी पत्नी रामदास 21/2 छत्रपाल पुत्र रामदास समस्त निवासीगण ग्राम अकारी तप्पा जगरनाथपुर परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 20–05–2026

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 20 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख 28 माह 03 सन 2026 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–137/2024
रामनैन
बनाम
राम सहाय आदि
1. राम सहाय पुत्र पन्नालाल 2. घनश्याम पुत्र छोटेलाल ग्राम छतरिया तप्पा रुधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रुधौली जिला बस्ती 3. दहना पत्नी स्वामीनाथ ग्राम भितेहरा तप्पा रुधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रुधौली जिला बस्ती
तारीख पेशी 02–04–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 02 माह 04 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब (आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद महोदय बस्ती जिला–बस्ती
वाद सं0–229/2025
शिव कुमार
बनाम
कैलाश आदि
1. कैलाश उम्र करीब 67 वर्ष 2. राम प्रकाश उम्र करीब 58 वर्ष 3. बेंकटेश उम्र करीब 55 साल 4. चक्रधर उम्र करीब 64 वर्ष 5. कृष्णमोहन उम्र करीब 52 वर्ष पुत्रगण राम सागर 6. चन्द्रदेव उम्र करीब 35 वर्ष 7. हेमन्त उम्र करीब 28 वर्ष पुत्रगण श्रीधर 8. राजवन्त उम्र करीब 42 वर्ष पुत्र कौशल 9. श्यामा देवी उम्र करीब 65 वर्ष पत्नी कौशल 10. रेनू उम्र करीब 35 वर्ष पत्नी यशवंत 11. देवांश उम्र करीब 12 वर्ष 12. प्रतीक उम्र करीब 10 वर्ष नावालिगान पुत्रगण यशवंत संरक्षिका माता खुद रेनू 13. राम गुलाम उम्र करीब 55 वर्ष पुत्र रामसुख निवासीगण ग्राम अइलिया तप्पा कनैला परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 12–05–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 12 माह 05 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

दैनिक भारतीय बस्ती
संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच, कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com